www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 172 || लखनऊ
बुधवार
23 सितम्बर 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 32:00
सूर्यास्त: 25:00
अधिकतम: 05°54
न्यूनतम: 06°03

पेज 07 »
विशेष समाचार आईआईटी बॉम्बे के छात्र ... >>पेज 04
117 गांवों के विकास का ... >>पेज 06
अक्षय खन्ना ने शूटिंग से 7 दिन पहले ...

प्रीतिबाला को एटीएस भेजा, संजीव सुमन को यूपीएसआईएफएस का जिम्मा, सतीश कुमार को एसएसएफ सेना नायक बनाया

यूपी में 18 आईपीएस का ट्रांसफर

फेरबदल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने मंगलवार शाम को 18 IPS अफसरों के तबादले कर दिए। IPS प्रीतिबाला गुप्ता को लखनऊ ATS का SP बनाया गया है। सतीश कुमार को लखनऊ SSF के सेनानायक की कमान सौंपी गई है। कांवड़ियों के साथ डांस करके सुर्खियों में आए संजीव सुमन को UPSIFS का SP बनाया गया है। समीर सौरभ को PAC, सीतापुर में सेनानायक की जिम्मेदारी दी गई है। देवेश कुमार शर्मा को खाद्य प्रकोष्ठ, लखनऊ का SP बनाया गया है। लखनऊ में तैनात वंशराज यादव को प्रयागराज भेजा गया है। उन्हें SSF के सेनानायक की कमान सौंपी गई है। आशुतोष द्विवेदी को APTC, सीतापुर से अयोध्या भेजा गया है। उन्हें अयोध्या में क्षेत्रीय अभिसूचना के SP की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उत्तर प्रदेश में 18 जूनियर आईपीएस अधिकारियों का तबादला हुआ है. इनमें डॉ. सतीश कुमार को 01 वाहिनी पीएसी का सेनानायक और संजीव सुमन को यूपीएसआईएफएस में एसपी बनाया गया है.

>> (शेष पेज 06 पर)

कृष्ण गोपाल मुरादाबाद पीटीसी में एसपी बने

आलोक कुमार शर्मा को सतर्कता अधिष्ठान का SP बनाया गया है। सहारनपुर SSF में सेनानायक डॉ. कृष्ण गोपाल का मुरादाबाद ट्रांसफर हुआ है। उन्हें PTC में SP बनाया गया है। पवित्र मोहन त्रिपाठी को मिर्जापुर RTC का SP बनाया गया है। शोएब इकबाल को लखनऊ में यातायात निदेशालय में SP की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राहुल मिठास को लखनऊ में तकनीकी सेवाओं का SP बनाया गया है। पवित्र मोहन त्रिपाठी को मिर्जापुर RTC का SP बनाया गया है। उन्हें जुलाई 2026 में IPS कैडर में प्रमोट किया गया था। पवित्र मोहन त्रिपाठी को मिर्जापुर RTC का SP बनाया गया है।

राजकुमार को सतर्कता अधिष्ठान भेजा, शशि शेखर लखनऊ एटीएस से हटे

राजकुमार को सतर्कता अधिष्ठान का SP बनाया गया है। शशि शेखर सिंह को ATS लखनऊ से हटा दिया गया है। उन्हें 11वीं वाहिनी PAC, सीतापुर के सेनानायक की जिम्मेदारी दी गई है।

महेश सिंह अत्री को PTS, मुरादाबाद से क्षेत्रीय अभिसूचना, बरेली का SP बनाया गया है। कमल किशोर को पुलिस मुख्यालय से EOW का SP बनाया गया है।

एससी/एसटी एक्ट में अग्रिम जमानत पर रोक बरकरार

2018 के संशोधन को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज की

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को SC/ST एक्ट में 2018 के संशोधन को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने कहा कि संशोधन को सुप्रीम कोर्ट 2020 में ही बरकरार रख चुका है। इसलिए उस फैसले पर दोबारा विचार करने की जरूरत नहीं है। SC/ST एक्ट में 2018 के संशोधन के तहत अग्रिम जमानत पर लगी रोक बहाल की गई थी। साथ ही FIR से पहले प्रारंभिक जांच और आरोपी की गिरफ्तारी से पहले मंजूरी की जरूरत भी खत्म कर दी गई थी। बृजभूषण सैनी द्वारा दायर याचिका पर एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने दलील रखी कि SC/ST एक्ट के तहत अग्रिम जमानत पर कानूनी रोक उल्टा भेदभाव (रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन) है। इसलिए इन प्रावधानों का दुरुपयोग हो सकता है। रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन का मतलब है कि अगर किसी वर्ग को विशेष सुविधा दी गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

धार्मिक वजह से वंदेमातरम न गाना अपराध नहीं : सुप्रीम कोर्ट

याचिकाकर्ता बोला- इसमें हिंदू देवताओं का जिक्र, केंद्र ने 47 दिन पहले कानून बनाया था

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। वंदे मातरम गीत से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा, 'धार्मिक कारणों से राष्ट्रगीत न गाने वाले व्यक्ति को आपराधिक कार्रवाई का सामना नहीं करना चाहिए।' कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

कोर्ट ने यह देखने पर सहमति दी कि वंदे मातरम न गाने को दंडनीय अपराध बनाया जा सकता है या नहीं। कोर्ट ने यह तय करने से इनकार किया कि राष्ट्रगीत केवल दो अंतरों तक सीमित रहेगा या छह अंतरों तक होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि वंदे मातरम से जुड़े कानून की व्याख्या करते समय 1986 के 'बिजो इमैनुअल' फैसले में तय सिद्धांतों को लागू किया जाएगा। दरअसल, 1986 के बिजो इमैनुअल बनाम केरल सरकार मामले में तीन छात्रों ने धार्मिक विश्वास के कारण राष्ट्रगान नहीं गाया था। हालांकि वे राष्ट्रगान के दौरान सम्मानपूर्वक खड़े रहते थे।

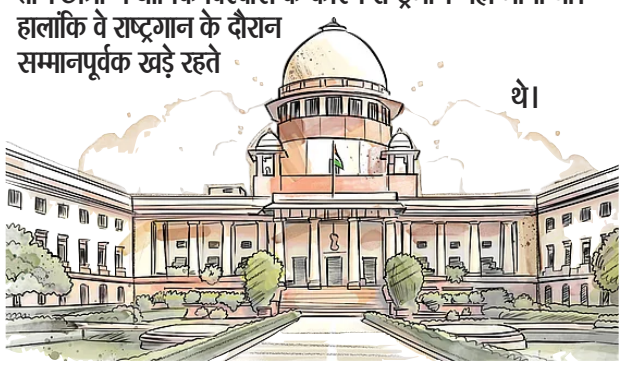

फास्ट न्यूज

आईआईटी बॉम्बे कैंपस और हॉस्टल से सीलिंग फैन हटेंगे

मुंबई। IIT बॉम्बे में बीटेक स्टूडेंट साहिल वाकोडे की मौत के बाद कैंपस और हॉस्टल से सीलिंग फैन हटाए जाएंगे। संस्थान ने इनकी जगह वॉल-माउंटेड यानी दीवार पर लगने वाले फैन लगाने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक, पंखे बदलने पर चर्चा जुलाई में एक छात्र की मौत के बाद शुरू हुई थी।

दिल्ली में नाबालिग से गैंगरेप, एक आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में 17 साल की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना सोमवार शाम की है।

पुलिस ने मंगलवार सुबह एक आरोपी आसिफ को साउथ ईस्ट दिल्ली में एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने तीन राउंड फायर किए। एक गोली हेड कॉन्स्टेबल की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी।

शरजील इमाम को 7 दिन की जमानत मिली

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने दिल्ली दंगे के आरोपी शरजील इमाम को अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए 7 दिन की अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने उसे चार अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक के लिए राहत दी है।

कल 24 सितम्बर के लखनऊ- अंबेडकरनगर अंक में पढ़िये
बरियावन बाजार बुलडोज़र काण्ड में सीओ सर्कल पुलिस सरदार नीतीश कुमार को क्यो बक्शा गया?

नंदीग्राम उपचुनाव लड़ सकेंगे कांग्रेस उम्मीदवार

कलकत्ता हाईकोर्ट बोला- जमानत मिले तो सरकार चुनाव लड़ने दे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार के वकील से कहा कि जमानत मिलने पर कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को चुनाव लड़ने दिया जाए। मामले की सुनवाई जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने की। मिलन प्रधान नंदीग्राम उपचुनाव में उम्मीदवार हैं। प्रधान पर 11 केस दर्ज हैं। उन्हें 5 मामलों में गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल वे जेल में हैं। हल्दिया सब-डिविजनल कोर्ट ने उन्हें 19 सितंबर को 4 मामलों में 3 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा था। ये मामले 2007 के नंदीग्राम से जुड़े हैं। इसके बाद 21 सितंबर को कांथी कोर्ट ने आर्म्स एक्ट के करीब दो दशक पुराने मामले में उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। नंदीग्राम उपचुनाव की वोटिंग 6 अक्टूबर को है, प्रचार 4 अक्टूबर को खत्म होगा और वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी। दोनों निचली अदालतों के आदेशों से प्रधान के लिए खुद प्रचार करने का मौका लगभग खत्म हो गया है। वे तभी प्रचार कर सकेंगे, जब उन्हें जमानत मिल जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

6 महीने में 1 लाख नौकरी देंगे : योगी

अखिलेश पर तंज-गिनती नहीं आती तो शिवपालजी के सानिध्य में बैठ जाइए, वे अच्छा सिखा देंगे

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में 6 महीने में 1 लाख युवाओं को सरकार नौकरी मिलेगी। सीएम योगी ने लखनऊ में मंगलवार को इसका ऐलान किया। सीएम ने अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा- नौकरी दे रहे और देते जाएंगे। आप गिनते जाइए। अगर गिनती नहीं आती हो तो शिवपाल जी के सानिध्य में बैठ जाएं, बहुत अच्छी गिनती सीख जाएंगे। सीएम ने 3,567 प्रधानाचार्यों, प्रधानाध्यापकों, प्रवक्ताओं (PGT) और सहायक अध्यापकों (TGT) को जॉइनिंग लेटर बांटा। इन सभी की नियुक्ति ऐसे निजी स्कूलों में हुई है, जिन्हें सरकार से आर्थिक सहायता मिलती है। योगी ने पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार की तारीफ की। कहा- आयोग ने जिस पारदर्शिता और समय-सीमा के अंदर भर्ती प्रक्रिया पूरी की है, वह मिसाल है। प्रशांत कुमार को शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष इसलिए बनाया, ताकि नकल माफिया की कमर तोड़ सकें और आप जैसे प्रतिभावान छात्रों के साथ सैफई सिंडिकेट डकैती डालने का दुस्साहस न कर सके। यूपी पुलिस में उन्होंने अच्छा काम किया था। अब आयोग और बोर्ड को सुधार रहे हैं। सीएम ने प्रयागराज में 22 दिनों से धरना दे रहे TGT-PGT अभ्यर्थियों के मुद्दे का संज्ञान लिया। सीएम ने कहा, 'मैंने आज माध्यमिक शिक्षा मंत्री से कहा है कि वे राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) को पत्र लिखें। उनको प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करनी चाहिए या कोई ऐसी व्यवस्था बना दो कि एक समय के बाद वे बच्चे उसमें अपीयर (शामिल) हो सकें। कोई एक सिस्टम तो तैयार किया जाना चाहिए।'

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम योगी ने कहा- एक समय में नामी कॉलेजों के भवनों पर बड़े-बड़े पेड़ उगे रहते थे और छतों के गिरने का डर रहता था। आज 1,500 से अधिक सरकारी इंटर कॉलेजों की भव्य नई बिल्डिंग्स बन चुकी हैं। स्कूलों में स्मार्ट क्लासेज, डिजिटल लाइब्रेरी और अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित की जा रही हैं।

यूपी के सामने पहचान का संकट खड़ा करने वाले उपदेश दे रहे

सीएम ने कहा- 9 साल पहले जिस उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य कहकर चिढ़ाया जाता था, आज वही यूपी देश की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा 'ग्रोथ इंजन' बनकर उभरा है।

राज्य की अर्थव्यवस्था तीन गुना से अधिक बढ़ चुकी है। यूपी के नौजवानों के सामने जिन्होंने पहचान का संकट खड़ा किया था, उन्हें नौकरी नहीं देते थे, लेकिन यूपी के बाहर भी उनके सामने पहचान का संकट था।

जिनके कारनामों से प्रदेश थर्राता था, दुनिया यूपी वाला कहकर शक की निगाह से देखती थी। वे लोग आज उपदेश देते फिर रहे हैं।

सीएम ने कहा- पुरानी सोच और जड़ व्यवस्था युवाओं के आगे बढ़ने में रुकावट बनती है।

किसी ने लेनदेन की बात की तो जेल में सड़ेगा

सीएम ने कहा- हमारी सरकार ने अब तक 9.5 लाख युवाओं को बिना किसी भेदभाव और रिश्वत के सरकारी नौकरी दी है। किसी भी चयनित शिक्षक को स्कूल में जॉइनिंग के दौरान कोई परेशानी या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। अगर किसी प्रबंधक की कोई समस्या है, तो वह सीधे शासन से संपर्क करे। किसी ने लेनदेन की बात की तो उसे जेल में सड़ना पड़ेगा। हमें सख्त सख्त कार्रवाई पर मजबूर होना पड़ेगा।

2015-16 में घूसखोरी का शिकार बने युवा का सपना साकार

सीएम ने हाल में नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले एक नौजवान के इंटरव्यू का उल्लेख किया। उन्होंने कहा- उस युवक की आंखों में आंसू भरे थे। उसने बताया कि 2015-16 में भी उसने इस पद के लिए आवेदन किया था। उससे आठ लाख रुपये की मांग की गई थी। वह खेत बेचकर पैसा लेकर आया, लेकिन तब तक उससे अधिक पैसा देने वाला दूसरा व्यक्ति आ गया और वह नौकरी से वंचित रह गया। आज उसका सपना साकार हुआ है। जिस पद के लिए उसने आवेदन किया था, उसी पद पर उसे नियुक्ति मिल गई है। पूरी प्रक्रिया निरस्त की गई और उस युवा को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ।

4 दिन में 5 हजार से ज्यादा युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

- **पहला चरण (शनिवार):** कौशल विकास, एमएसएमई (MSME), आयुष और स्वास्थ्य विभाग के 818 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए।
- **दूसरा चरण (रविवार):** यूपी पुलिस विभाग में उप निरीक्षक (गोपनीय) और सहायक उप निरीक्षक (लेखा) समेत अन्य पदों पर 912 युवाओं को सरकारी सेवा में जोड़ा गया।
- **तीसरा चरण (मंगलवार):** शिक्षा विभाग में बड़ा कदम उठाते हुए माध्यमिक विद्यालयों के लिए 3,567 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को जॉइनिंग लेटर सौंपे गए।

घोषणा : बंगाल-उत्तराखंड में एक-एक और यूपी की 10 सीटें शामिल, बीएसपी संसद से बाहर हो सकती है

राज्यसभा की 12 सीटों पर चुनाव घोषित

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को राज्यसभा की 12 सीटों पर चुनाव का ऐलान किया। इनमें उत्तर प्रदेश की 10, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल हैं। 16 अक्टूबर को वोटिंग और काउंटिंग कराई जाएगी। अक्टूबर में होने वाले चुनाव 10 सीटों पर सांसदों के कार्यकाल खत्म होने के बाद हो रहे हैं। जबकि यूपी और बंगाल में एक-एक सीट सांसदों के इस्तीफा देने से खाली हुई है। यूपी में सांसद दिनेश शर्मा ने 11 सितंबर को इस्तीफा दिया, उन्हें अंडमान और निकोबार का LG बनाया गया है। बंगाल में TMC सांसद कोयल मल्लि ने इस्तीफा दिया था।

राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जिनमें 242 सीटें भरी हुई हैं और 3 खाली हैं। मौजूदा पार्टी स्थिति में BJP के पास 116 सांसद हैं। राज्यसभा में BJP की एक सीट बढ़ने की संभावना है, क्योंकि पार्टी पश्चिम बंगाल की एकमात्र सीट जीत सकती है। यह सीट अभिनेत्री रुक्मिणी मलिक के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में सत्ता से बाहर होने से पहले सदन में भेजा था। उत्तराखंड में BJP सांसद नरेश बंसल का कार्यकाल खत्म हो रहा है।

उत्तर प्रदेश में खत्म हो रहा 10 सांसदों का कार्यकाल

उत्तर प्रदेश से जिन सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी शामिल हैं। इनके अलावा BJP नेता अरुण सिंह, गीता शाक्य, नीरज शेखर, बृजलाल, बीएल वर्मा और सीमा द्विवेदी का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है। SP नेता राम गोपाल यादव का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है। पुरी का केंद्रीय मंत्रिमंडल में बने रहना इस बात पर निर्भर करेगा कि BJP उन्हें फिर से राज्यसभा भेजती है या नहीं। उत्तर प्रदेश की 10वीं खाली सीट पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा की थी। इस महीने की शुरुआत में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का उपराज्यपाल बनाए जाने के बाद उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था।

2020 में बीएसपी को राज्यसभा में मिली थी इकलौती सीट

BSP ने 2020 में गौतम को राज्यसभा भेजा था। BSP के इकलौते राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम का कार्यकाल नवंबर में खत्म हो रहा है।

तब BJP ने 10 सीटों के लिए सिर्फ 8 उम्मीदवार उतारे थे, जिससे BSP और SP दोनों का एक-एक सदस्य निर्विरोध चुना जा सका।

इससे BSP और SP को एक-एक सदस्य निर्विरोध चुनने का मौका मिला था।

डीआरडीओ का लेजर वेपन 5 किमी दूर तक ड्रोन गिराएगा

एक साथ कई ड्रोन होंगे निशाने पर, 30 किलोवाट सिस्टम का ट्रायल पूरा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत का डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन यानी DRDO 30 किलोवाट क्षमता का लेजर सिस्टम तैयार कर चुका है। यह सिस्टम करीब 5 किमी दूर तक ड्रोन, ड्रोन के झुंड और सर्विलांस सेंसर को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, लेजर वेपन का अंतिम ट्रायल अगस्त 2025 में पूरा हो चुका है। अब अगले छह महीने में इसके प्रोडक्शन के लिए किसी भारतीय कंपनी को पार्टनर बनाने की तैयारी है। इस सिस्टम की क्षमता पहले भी ट्रायल में दिखाई जा चुकी है। अप्रैल 2025 में 30kW लेजर सिस्टम का ट्रायल कर्नूल के नेशनल ओपन एयर रेंज में किया गया था। इस दौरान सिस्टम ने फिक्स्ड-विंग ड्रोन को निशाना बनाया और कई ड्रोन हमलों को रोकने की क्षमता दिखाई। निगरानी सेंसर और एंटीना को भी टारगेट किया गया। सिस्टम रडार या इलेक्ट्रो ऑप्टिक यानी EO सिस्टम की मदद से लक्ष्य की पहचान करता है। इसके बाद लेजर बीम सीधे उस पर डाली जाती है। बीम लाइट की स्पीड से लक्ष्य तक पहुंचती है और अपनी तेज ऊर्जा से उसे नुकसान पहुंचाती है। इस सिस्टम में पारंपरिक गोला-बारूद या रॉकेट की जरूरत नहीं होती।

सितंबर के अंत तक जारी हो जाएगा 41,424 हजार होमगार्ड भर्ती का रिजल्ट, नवंबर से होगी ट्रेनिंग

योगी सरकार खरीदेगी 10 लाख से अधिक कारतूस

तैनाती

- ट्रेनिंग के लिए कारतूस के साथ 1 करोड़ 44 लाख की कीमत से खरीदी जाएंगी 5.56 एमएम की 155 एसएलआर राइफल
- रिजल्ट जारी होने के बाद अक्टूबर में पूरी कर ली जाएगी मेडिकल और पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया
- नव चयनित होमगार्ड अभ्यर्थियों की फरवरी में फील्ड में कर दी जाएगी तैनाती

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार

41,424 होमगार्ड अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण के दौरान हथियार संचालन और फायरिंग अभ्यास के लिए 5.56 एमएम राइफल के 10 लाख से अधिक कारतूस खरीदने जा रही है। यह खरीदारी एसटीएफ के माध्यम से होमगार्ड विभाग करेगा। इसके लिए 3 करोड़ 55 लाख रुपये खर्च किये जाएंगे। यह उत्तर प्रदेश में पहली बार है, जब होमगार्ड अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण के लिए 10 लाख से अधिक कारतूस खरीदे जा रहे हैं। वर्तमान में होमगार्ड के 41,424 रिक्त पदों पर एनरोलमेंट की प्रक्रिया चल रही है। इन सभी की शारीरिक दक्षता परीक्षा

3 करोड़ 55 लाख रुपये की कीमत से 5.56 एमएम एसएलआर राइफल के लिए खरीदे जाएंगे कारतूस

अंतिम दौर में शारीरिक दक्षता परीक्षा

डीजी होमगार्ड ध्रुवकांत ठाकुर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके तहत पुलिस और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन और प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योगी सरकार के मिशन रोजगार के तहत होमगार्ड विभाग में 41,424 होमगार्ड अभ्यर्थियों की भर्ती प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। वर्तमान में अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) चल रही है, जो अंतिम दौर में है। सितंबर के अंत तक भर्ती का परिणाम जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद सफल अभ्यर्थियों की मेडिकल और पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया अक्टूबर में पूरी करने का लक्ष्य है। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद चयनित अभ्यर्थियों को नवंबर में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा।

अंतिम चरण में है। वहीं होमगार्ड के 41,424 रिक्त पदों का रिजल्ट जारी होने के बाद 7,600 रिक्त पदों पर एनरोलमेंट की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। डीजी होमगार्ड डीके ठाकुर ने बताया कि नवचयनित 41,424 होमगार्ड अभ्यर्थियों की ट्रेनिंग नवंबर से

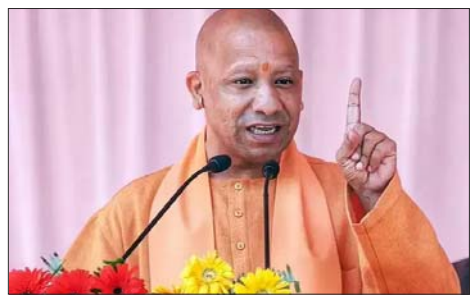

जल्द होमगार्ड स्वयंसेवकों के 7,600 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए जारी किया जाएगा विज्ञापन

डीजी होमगार्ड ने बताया कि होमगार्ड के 41,424 रिक्त पदों पर एनरोलमेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद होमगार्ड स्वयंसेवकों के 7,600 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई। प्रदेश में होमगार्ड स्वयंसेवकों के कुल 1,18,348 पद हैं। वर्तमान में 69,324 कार्यरत हैं। वर्तमान में भर्ती बोर्ड की ओर से 41,424 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। इसके बाद भी निर्धारित पदों के अनुसार 7,600 पद रिक्त हैं।

शुरू किए जाने की तैयारी है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें होमगार्ड की जिम्मेदारियों, अनुशासन, कानून-व्यवस्था में सहयोग, आपदा एवं आपात परिस्थितियों में भूमिका के साथ-साथ हथियार संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मोहन सिंह की 14वीं पुण्यतिथि पर सपा ने दी श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी विचारक एवं पूर्व सांसद श्रद्धेय मोहन सिंह की 14वीं पुण्यतिथि पर मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मोहन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मोहन सिंह के नाती प्रशांत कुमार सिंह ने भी उन्हें नमन किया। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय, बांस देवरिया स्थित श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव सभागार में भी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने की, जबकि संचालन जिला सचिव रामप्रीत यादव ने किया। पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मोहन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके समाजवादी विचारों, संघर्ष तथा योगदान को याद किया। सपा

अखिलेश यादव समेत पार्टी नेताओं ने याद किया समाजवादी चिंतक का योगदान

जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि मोहन सिंह समाजवादी विचारधारा के प्रखर चिंतक, कुशल वक्ता, लेखक और सिद्धांतों के प्रति समर्पित नेता थे। उन्होंने जीवनभर समाजवाद, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए संघर्ष किया। उनका पूरा जीवन समाजवादी आंदोलन के लिए प्रेरणास्रोत रहा। उन्होंने कहा कि मोहन सिंह के विचार और संघर्ष आज भी समाजवादी कार्यकर्ताओं को जनसेवा एवं सामाजिक न्याय के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

फास्ट न्यूज

लोहिया संस्थान के मुख्य सुरक्षा अधिकारी समेत 3 पर गाज

लखनऊ । लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के मुख्य सुरक्षा अधिकारी समेत 3 कर्मचारियों को पर गाज गिरी है। इन्हें 7 दिन के लिए काम से हटा दिया गया है। तब तक इनके खिलाफ जांच चलेगी। इन पर आरोप है कि 2 सफाईकर्मियों को 5 घंटे तक बंधक बनाया और जमकर पीटा था। इसे लेकर मंगलवार को संस्थान में दिनभर सफाई-कर्मियों ने प्रदर्शन किया।

लखनऊ में घर के बाहर से बाइक चोरी

लखनऊ । लखनऊ के मड़ियांव थानाक्षेत्र में एक युवक की बाइक 5 मिनट में चोरी हो गई। घटना घर के पास लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। सीसीटीवी में तीन युवक मोहल्ले में बाइक से आए। उनमें से एक ने गाड़ी का लॉक तोड़कर बाइक ले जाते हुए दिखा। पीड़ित ने मड़ियांव थाने में तहरीर दी है।

सेक्टर-सी अलीगंज निवासी अस्तित्व श्रीवास्तव बैंकिंग की तैयारी कर रहे हैं। लखनऊ में किराये का रूम लेकर रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पास एक पल्सर बाइक थी जो उनके मामा सौरभ कुमार श्रीवास्तव के नाम पर थी।

बेटी पद्मजा के जन्मदिन पर अपर्णा ने गोद लिया जिराफ

लखनऊ। लखनऊ में अपर्णा यादव अपनी छोटी बेटी पद्मजा के आठवें जन्मदिन पर चिड़ियाघर पहुंचीं। बेटी ने लखनऊ जू की जिराफ सुजाता को गोद लिया। पद्मजा ने बताया कि वह सोमवार को जू आई थी। उसे सुजाता सबसे अच्छी लगी, इसलिए उसने उसे गोद लेने का फैसला किया। मां अपर्णा यादव ने चिड़ियाघर के कर्मचारियों के बीच में केक काटकर बेटी का जन्मदिन भी मनाया।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखेगी प्रदेश के खाद्य और औषधि क्षेत्र की ताकत

मेडिकल सप्लाइज के लिए हॉल-8 में पवेलियन

तमसा संकेत, संवाददाता

- यूपीएफएसडीए के फूड और ड्रग सेक्टर के लिए हॉल-11 में विशेष स्टॉल
- प्रदेश में विकसित हो रहे फूड प्रोसेसिंग, फूड प्रोडक्ट्स, फार्मास्युटिकल्स, मेडिकल सप्लाइज और हर्बल को साझा वैश्विक मंच उपलब्ध कराना है उद्देश्य
- प्रदेश के उद्यमियों को देश-विदेश के खरीदारों, निवेशकों और संभावित कारोबारी साझेदारों के साथ सीधे संवाद का मिलेगा अवसर

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (UPFSDA) की भागीदारी के माध्यम से प्रदेश के फूड, ड्रग्स, आयुष और मेडिकल सप्लाइज सेक्टर की व्यापक क्षमताओं को देश-दुनिया के निवेशकों और खरीदारों के सामने प्रदर्शित किया जाएगा। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाले ट्रेड शो में विभाग के लिए विशेष प्रदर्शनी व्यवस्था की गई है।

ट्रेड शो के ग्राउंड फ्लोर के हॉल-11 में UPFSDA के फूड और ड्रग सेक्टर को स्थान दिया गया है। लेआउट के अनुसार हॉल-11 में खाद्य और औषधि से जुड़े विभिन्न प्रदर्शकों के लिए अलग-अलग स्टॉल निर्धारित किए गए हैं। वहीं, हॉल-8 के सेकेंड फ्लोर में मेडिकल सप्लाई पवेलियन बनाया गया है। यह व्यवस्था स्वास्थ्य एवं अस्पताल क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों और खरीदारों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

नियुक्ति पत्र पाकर बोले चयनित शिक्षक, पारदर्शी प्रक्रिया से मिला रोजगार, मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

'पहले की सरकारों में रद्द हो जाती थीं परीक्षाएं'

- योगी सरकार में मिला नियुक्त पत्रः ममता मौर्या
- योगी सरकार में महिलाओं को बिना भेदभाव मिल रहे रोजगार के अवसरः आंचल शुक्ला
- पूर्व की सरकारों में होने वाली अव्यवस्था को योगी सरकार ने किया खत्मः गोपाल प्रजापति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग से चयनित अभ्यर्थियों के चेहरे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों नियुक्ति-पत्र पाकर खिल उठे। पारदर्शी और त्वरित चयन प्रक्रिया के लिए उन्होंने योगी सरकार की खुलकर सराहना की। अभ्यर्थियों ने कहा कि निष्पक्ष प्रक्रिया के जरिए युवाओं को यह अवसर मिला है।

ऋचा शर्मा

कुमारी ऊषा सिंह

टीजीटी गणित के पद पर चयनित मऊ के शिवम बरनवाल ने नियुक्ति-पत्र मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि योगी सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है। बिना रिश्वतखोरी, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं।

उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी प्रकट किया। आंचल शुक्ला ने बताया कि उनकी नियुक्ति अग्रसेन कन्या इंटर कॉलेज टाउनहॉल वाराणसी में कला विषय, प्रवक्ता (पीजीटी) के पद पर हुई है। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति-पत्र मिलने पर उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि उनका बड़ा सपना पूरा हुआ है। योगी सरकार में महिलाओं को बिना भेदभाव रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है। योगी सरकार ने महिला सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया है। इसी सुरक्षा के माहौल से महिलाओं की प्रदेश में भागीदारी बढ़ी है।

पिछली सरकारों में रद्द हो जाती थी परीक्षाएं ममता मौर्या ने बताया कि उनका चयन टीजीटी संस्कृत के पद पर हुआ है। वह 2005 में एमए करने के बाद से इसके लिए प्रयास कर रही थीं। पहले बार-बार परीक्षाएं रद्द हो जाती थीं या लंबे समय तक परिणाम नहीं आता था। आज योगी सरकार की पारदर्शी व्यवस्था का नतीजा है कि परीक्षा में सफल होने के साथ ही नियुक्ति-पत्र भी मिल गया। इतने लंबे इंतजार के बाद चयनित होने पर खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। इसके लिए वह योगी सरकार का आभार व्यक्त करना चाहती हैं।

योगी सरकार ने खत्म की अव्यवस्था

गोपाल प्रजापति ने बताया कि उनका चयन श्री वैष्णव हरिहर दास इंटर कॉलेज, आजमगढ़ में प्रवक्ता (पीजीटी) रसायन विज्ञान के पद पर हुआ है। योगी सरकार की त्वरित प्रक्रिया से उनका पूरा परिवार उत्साहित और खुश है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व की सरकारों में होने वाली अव्यवस्था को खत्म कर व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। इससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर स्पष्ट और पारदर्शी तरीके से मिल रहे हैं।

ममता मौर्या

शिव मिश्रा

8 करोड़ रुपये की लागत से 100 महिलाओं की क्षमता का बना है शरणालय

राजकीय महिला शरणालय भवन का बुधवार को लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री

> प्रशासनिक एवं संचालन संबंधी कार्यों के लिए वर्कशॉप, वार्डन कक्ष एवं कार्यालय की व्यवस्था की गई है। संवासनियों के अध्ययन एवं ज्ञानवर्धन हेतु पुस्तकालय भी बना है।

- निर्माणाधीन राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण भी करेंगे सीएम योगी

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को गोरखपुर में, महिला कल्याण विभाग की तरफ से संचालित होने वाले राजकीय महिला शरणालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर वह निर्माणाधीन राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) का भी निरीक्षण करेंगे।

चरगांवा में कृषि विभाग के बीज गोदाम के समीप 8 करोड़ 5 लाख 42 हजार रुपये की लागत से

राजकीय महिला शरणालय के भवन का निर्माण कराया गया है। इस भवन की क्षमता 100 महिलाओं के रहने की है। इसमें आवासीय सुविधा के साथ आवश्यक सहायक सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त 10 डारमेट्री कक्ष, 4 अध्ययन कक्ष, रोगी कक्ष, क्रेच रूम, डाइनिंग हॉल, किचन, स्टोर, शौचालय एवं स्नानघर जैसी आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया गया है। राजकीय महिला शरणालय, महिला कल्याण विभाग के अधीन संचालित एक संरक्षणात्मक एवं आवासीय संस्था है। इन शरणालयों की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य घरेलू हिंसा, जरूरतमंद, संकटपूर्ण परिस्थितियों, भटकाव अथवा अन्य सामाजिक एवं पारिवारिक कठिनाइयों से प्रभावित महिलाओं को सुरक्षित आश्रय, संरक्षण एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करना है।

राजकीय महिला शरणालय का लोकार्पण करने से पहले मुख्यमंत्री, किशोरों के लिए निर्माणाधीन संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण करेंगे। चरगांवा में कृषि विभाग के बीज गोदाम के समीप ही राजकीय संप्रेषण गृह (किशोर) का निर्माण 14 करोड़ 87 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है। इसकी क्षमता 100 किशोरों के रहने की होगी। इसी परिसर में किशोर न्याय बोर्ड के लिए पृथक ब्लॉक का प्रावधान किया गया है।

गोरखनाथ मंदिर में होने वाले सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में सम्मिलित होंगे मुख्यमंत्री

बुधवार (23 सितंबर) को गोरखपुर दौरे पर आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर में सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ कार्यक्रम में भी सम्मिलित होंगे। यह कथा ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 57वीं और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। प्रख्यात कथावाचक वृंदावन के मलूकपीठाधीश्वर राजेंद्रदास श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा सुनाएंगे।

'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत 5 महानगरों में एफएसडीए की कार्रवाई

7 यूनिट्स के लाइसेंस निलंबन की संस्तुति

तमसा संकेत, संवाददाता

- इंसेक्ट-रोडेंट इन्फेस्टेशन, खराब हाइजीन, वेज-नॉनवेज सेग्रीगेशन का अभाव और एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों का उपयोग मिला
- कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, प्रयागराज और वाराणसी में चला सघन निरीक्षण अभियान

लखनऊ। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के अंतर्गत प्रदेश के पांच जनपदों कानपुर नगर, आगरा, गाजियाबाद, प्रयागराज और वाराणसी में फास्ट फूड एवं रेस्टोरेंट प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं प्रसंस्करण स्थलों पर कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इन परिस्थितियों को खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर मानते हुए संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों/विनियमों के प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार कार्रवाई की गई। निरीक्षण के उपरांत सभी पांच जनपदों में जनहित को देखते हुए कुल 7 यूनिट्स के लाइसेंस निलंबन किए जाने की संस्तुति की गई है।

निरीक्षण में खाद्य प्रतिष्ठानों पर इंसेक्ट एवं रोडेंट इन्फेस्टेशन, अत्यंत खराब हाइजीन एवं सैनिटरी कंडीशन, वेज एवं नॉन-वेज खाद्य पदार्थों के पृथक भंडारण एवं पृथक प्रसंस्करण की समुचित व्यवस्था का अभाव पाया गया। कई स्थानों पर नालियों में गंदे पानी एवं अपशिष्ट का जमाव मिला, जिससे क्रॉस-कॉन्टेमिनेशन की गंभीर संभावना थी।

घेराव : अब डीन का इस्तीफा मांगा जा रहा, छात्रा की मौत के बाद प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट

केजीएमयू के नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल ने रिजाइन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के KGMU में सोमवार को करीब 13 घंटे से रात 10 बजे भी नर्सिंग स्टूडेंट्स प्रदर्शन चल रहा है। बीमार छात्रा की मौत होने के बाद बड़ी संख्या में नर्सिंग छात्र विभाग में जुट गए और घेरावकर धरने पर बैठ गए। स्टूडेंट्स के प्रदर्शन के चलते देर शाम नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल सूचना राय भौमिक ने रिजाइन कर दिया।

इसके बावजूद छात्र प्रदर्शन से नहीं उठे। वे अब इस बात पर अड़े हुए हैं कि डीन नर्सिंग डॉ. अमिता पांडेय मिश्रा का भी इस्तीफा होना चाहिए, उसके बाद ही प्रदर्शन रुकेगा। उनका कहना है कि नर्सिंग कॉलेज के हॉस्टल के 7 स्टूडेंट्स

बीमार हैं। इसमें आकक्षी, आयुषी कुमारी, सत्यम सिंह समेत अन्य छात्र-छात्राएं बीमार हैं। इसके बावजूद वार्डों में इनकी ड्यूटी लगाई जा रही है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुताबिक, नर्सिंग छात्रा दिव्यांशी यादव को डेंगू हुआ था। बीमारी के दौरान उसे छुट्टी नहीं दी गई। इसके बाद इलाज के लिए उसे वाराणसी ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। KGMU प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने कहा कि ये घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। बीमारी की दशा में छात्रा की जांचें कराई गई थीं।

काउंसिल के नियमों का उल्लंघन कर रहे जिम्मेदार

प्रदर्शन कर रहे नर्सिंग छात्र के मुताबिक, दिव्यांशी यादव नाम की 2025 बैच की छात्रा की कई दिनों से तबीयत खराब थी। छात्रों का आरोप है कि तबीयत खराब होने के बावजूद उसे छुट्टी नहीं दी जा रही थी। तीन दिन पहले इलाज के दौरान दिव्यांशी की मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद नर्सिंग छात्रों में आक्रोश है। छात्र मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जिम्मेदार इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियमों का खुलेआम उल्लंघन और मनमानी करते हैं। इसका खामियाजा यहां के छात्रों को भुगतना पड़ रहा है।

ज्यादातर रिपोर्ट सामान्य आई थीं।

KGMU के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया बीमार छात्रा को मेडिसिन विभाग के सीनियर डॉक्टर ने देखा था। इसके बाद परिवारीजन उसे वाराणसी लेकर चल गए थे। हॉस्टल की व्यवस्थाओं को और दुरुस्त किया जा रहा है। प्रदर्शन-कारियों के दबाव में आने के बाद

केजीएमयू में छात्र सुबह 9 से ही प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रिंसिपल और डीन का इस्तीफा देना ठीक नहीं है। जानकारी के मुताबिक, दिव्यांशी बनारस की रहने वाली थी। उसे 11 सितंबर को बुखार आया था। साथी उसे मेडिसिन विभाग की OPD में ले गए। जहां डॉक्टरों ने देखा। बुखार की पहचान के लिए 16 सितंबर को डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड समेत अन्य जांचें कराई गईं।

ओडीओपी एग्री-फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के उद्यमियों के साथ परामर्श बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

> इस परामर्श बैठक में प्रयागराज, प्रतापगढ़, बहराइच, बलिया, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर, सिद्धार्थनगर, गोंडा, अयोध्या और एटा सहित विभिन्न जिलों के 30 से अधिक उद्यमियों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के प्रतिनिधियों, प्रोड्यूसर कंपनियों, निर्यातकों और अन्य हितधारकों ने भाग लिया।

लखनऊ । स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन, उ0प्र0 ने आज बुधवार को योजना भवन, लखनऊ में ओडीओपी एग्री-फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से जुड़े उद्यमियों और हितधारकों के साथ एक परामर्श बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता एसटीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) श्री मनोज कुमार सिंह ने की। बैठक में एसटीसी के ए.सी.ई.ओ. श्री अक्षत वर्मा (IAS) के साथ-साथ श्रम एवं रोजगार विभाग तथा वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों के सुझाव प्राप्त करने, उनके समक्ष आ रही चुनौतियों को समझने तथा उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में इस क्षेत्र के योगदान को और मजबूत करने के अवसरों की पहचान करना इस परामर्श बैठक का

मुख्य उद्देश्य था। उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष 1,000 लाख टन से अधिक अनाज और सब्जियों का उत्पादन होता है। राज्य की लगभग 70 प्रतिशत भूमि कृषि उपयोग के अंतर्गत है, जिसमें से लगभग 86 प्रतिशत भूमि सिंचित है। उत्तर प्रदेश देश के कुल खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में लगभग 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। राज्य में इस क्षेत्र का बाजार आकार $45 बिलियन से अधिक है और इससे 15 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त होता है।

हितधारकों ने क्षेत्र के विकास को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर अपने अनुभव, चिंताएं और सुझाव साझा किए। इनमें गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और भंडारण सुविधाएं, वित्त तक पहुंच, तकनीक एवं आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाएं, बाजार तक पहुंच, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग, निर्यात, नियामकीय आवश्यकताएं तथा छोटे उद्यमों के लिए आवश्यक सहयोग जैसे विषय प्रमुख रहे।

मछली पकड़ने गए युवक की डूबकर मौत

लोन नदी में जाल डालते समय गहरे पानी में गया, गोताखोरों ने शव निकाला

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के अनोखे राय का पुरवा के पास मंगलवार सुबह लोन नदी में डूबने से 45 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक नदी के किनारे जानवर चराने गया था। इसी दौरान वह नदी किनारे बैठकर मछली पकड़ने के लिए जाल डाल रहा था। अचानक पैर फिसलने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में चला गया। आसपास मौजूद अन्य चरवाहों ने उसे पानी में डूबते देखा तो शोर मचाकर गांव के लोगों को सूचना दी। हादसे की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी किनारे पहुंच गए। ग्रामीणों ने अपने स्तर से युवक की तलाश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों और गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश अभियान शुरू कराया। काफी मशक्कत के बाद युवक का शव नदी से बरामद किया जा सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान लालगंज कोतवाली क्षेत्र के दोस्तपुर गांव निवासी विनोद कुमार (45) के रूप में हुई है। बताया गया कि मंगलवार सुबह करीब आठ बजे विनोद कुमार अपने जानवरों को चराने के लिए घर से निकले थे। गांव से करीब 500 मीटर की दूरी पर लोन नदी बहती है। वह जानवरों को चराने के लिए नदी किनारे पहुंचे थे। कुछ देर बाद विनोद नदी के किनारे बैठ गए और मछली पकड़ने के लिए जाल डालने लगे। इसी दौरान नदी के किनारे अचानक उनका पैर फिसल गया। वह अपना संतुलन नहीं संभाल सके और सीधे गहरे पानी में जा गिरे। घटना के समय नदी के आसपास कुछ अन्य चरवाहे भी मौजूद थे। उन्होंने विनोद को नदी में गिरते देखा। लोगों ने शोर मचाया और उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी का पानी गहरा होने के कारण तत्काल उन्हें बाहर नहीं निकाला जा सका। देखते ही देखते विनोद पानी में डूब गए। अन्य चरवाहों ने तत्काल गांव पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को हादसे की जानकारी दी।

चरवाहों ने गांव में दी सूचना

घटना के समय नदी के आसपास मौजूद अन्य चरवाहों ने विनोद के नदी में डूबने की जानकारी गांव में पहुंचाई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने अपने स्तर से नदी में तलाश शुरू की और पुलिस को भी सूचना दी। जानकारी मिलने पर लालगंज कोतवाली पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों और गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश अभियान शुरू कराया। काफी देर तक तलाश के बाद विनोद का शव नदी से बरामद किया गया।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत की खबर घर पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद दोस्तपुर गांव और आसपास के क्षेत्र में भी शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

अधिवक्ताओं का न्यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला

कानपुर सम्मेलन के समर्थन में 23 सितंबर को उन्नाव में नहीं करेंगे काम

उन्नाव बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला लिया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव बार एसोसिएशन के अधिवक्ता 23 सितंबर को न्यायिक काम नहीं करेंगे। यह फैसला कानपुर बार एसोसिएशन और दि-लायर्स एसोसिएशन, कानपुर के प्रदेश स्तरीय अधिवक्ता सम्मेलन में पास हुए प्रस्तावों के समर्थन में लिया गया है। इस संबंध में उन्नाव बार एसोसिएशन की आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। एसोसिएशन के महामंत्री आनंद कुमार सिंह 'बूटा सिंह' एडवोकेट ने यह जानकारी दी। यह बैठक एसोसिएशन के अध्यक्ष रतीन्द्र प्रताप सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई। इसमें कानपुर में हुए अधिवक्ता सम्मेलन के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। उस सम्मेलन में मांगें पूरी होने तक हर बुधवार को न्यायिक काम से दूर रहने का प्रस्ताव पास हुआ था। महामंत्री ने बताया कि आम सभा में चर्चा के बाद आगामी बुधवार को न्यायिक काम से दूर रहने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया गया। इस फैसले के अनुसार, उन्नाव बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ता 23 सितंबर को न्यायिक काम में हिस्सा नहीं लेंगे। एसोसिएशन ने इस बारे में संबंधित अधिकारियों और संस्थाओं को भी जानकारी भेजी है। जारी पत्र के मुताबिक, न्यायिक काम से दूर रहने की सूचना भारत के अटॉर्नी जनरल, उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली, इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष, बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष, जनपद न्यायाधीश उन्नाव और जिलाधिकारी उन्नाव को भेजी गई है। एसोसिएशन ने कहा कि उन्नाव बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं के अधिकारों के लिए काम करता है। साथ ही, बार और बेंच के बीच तालमेल बनाने की भी कोशिश करता है। कानपुर सम्मेलन में उठाई गई मांगों के समर्थन में बुधवार को न्यायिक काम से दूर रहने का फैसला इसी कड़ी में लिया गया है। अधिवक्ताओं ने कहा है।

फास्ट न्यूज

पिकअप की टक्कर से 12वीं के छात्र की मौत

उन्नाव। उन्नाव जिले के मौरावां थाना क्षेत्र की गुलरिहा पुलिस चौकी के पास 22 सितंबर 2026 की सुबह करीब 8 बजे एक तेज रफ्तार पिकअप ने दो छात्रों को टक्कर मार दी। यह हादसा गुलरिहा गांव में श्री गणेशराम इंटर कॉलेज के सामने मौरावां-गुरुबख्गंज मार्ग पर हुआ। हादसे में कक्षा 12 के छात्र विवेक (18) पुत्र स्वर्गीय अयोध्या प्रसाद और कक्षा 11 के छात्र दुर्गेश (17) पुत्र सूर्यपाल निवासी भूपखेड़ा गंभीर रूप से घायल हो गए।

हरदोई में सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग ने तोड़ा दम

हरदोई। हरदोई जनपद में पिहानी कोतवाली क्षेत्र के जरेली गांव के रहने वाले 61 वर्षीय भीखम की सड़क हादसे में मौत हो गई। वे एक तेरहवीं संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे। इलाज के दौरान उनकी जान चली गई, जिससे परिवार में मातम छा गया है।

सोमवार की देर रात 1:40 पर हरदोई मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, भीखम 14 सितंबर की सुबह अपनी बेटी सीमा की सास राजरानी की तेरहवीं संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने पिहानी कोतवाली क्षेत्र के भेरिया गांव गए थे।

रेलवे ट्रैक पर महिला का क्षत-विक्षत शव मिला

उन्नाव। शुक्लागंज के गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक महिला का क्षत-विक्षत शव मिला। शव पश्चिमी चौकी क्षेत्र में अपलाइन पर किलोमीटर संख्या 67/14 और 67/15 के बीच पड़ा था। सुबह ट्रैक से गुजर रहे रेलवे कर्मचारियों ने शव देखकर रेलवे पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में जीआरपी और आरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

बाराबंकी में बुजुर्ग की ट्रक की टक्कर से मौत

पत्नी घायल, पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू की

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे एक सड़क हादसा हो गया। बेटी के घर से पत्नी के साथ बाइक से लौट रहे 60 वर्षीय बुजुर्ग की ट्रक की टक्कर से मौत हो गई। हादसे में उनकी पत्नी राजकली भी घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार, त्रिवेदीगंज क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी राम अवध (60) पुत्र स्वर्गीय बाबादीन अपनी पत्नी राजकली के साथ बेटी के घर मंसारा गए थे। मंगलवार को दोनों बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में गौरा मोड़ के पास उनकी बाइक की सामने से आ रहे एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दंपती सड़क पर गिर गए।

हादसे में राम अवध को गंभीर चोटें लगीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी राजकली भी घायल हो गईं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने राम अवध के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे की खबर गांव और परिवार तक पहुंचते ही मातम छा गया और परिजनों का बुरा हाल है। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

स्कूल में गैस लीकेज से दो रसोइया झुलसीं

हरदोई में 15 दिन से खराब था पाइप, प्रधानाध्यापिका पर धमकी का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। संडीला विकासखंड के टिमरुख गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में सोमवार, 21 सितंबर की सुबह खाना बनाते समय गैस भट्ठी और पाइप में लीकेज से अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से विद्यालय की दो रसोइया अंजनी देवी और कमला देवी झुलस गईं। दोनों टिमरुख मजरा कुरैना टिमरुख की रहने वाली हैं। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। हालांकि आग पर तत्काल काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया गया कि सोमवार सुबह प्राथमिक विद्यालय की रसोई में बच्चों के लिए खाना तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान गैस भट्ठी और पाइप में लीकेज के कारण आग लग गई। अचानक आग भड़कने से वहां मौजूद दोनों रसोइया उसकी चपेट में आ गईं और झुलस गईं। घटना के बाद विद्यालय में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। तत्काल प्रयास कर आग पर काबू पाया गया। हादसे के बाद रसोइयों ने मामले को लेकर संडीला के उप जिलाधिकारी को लिखित शिकायत दी है। रसोइयों ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि विद्यालय में लगी गैस भट्ठी और उससे जुड़ी पाइप पिछले करीब 15 दिनों से खराब थी। उनका कहना है कि उन्होंने कई बार इसकी जानकारी विद्यालय स्तर पर दी और मरम्मत कराने की मांग की, लेकिन कथित तौर पर समस्या का समाधान नहीं कराया गया। रसोइयों का आरोप है कि यदि समय रहते गैस भट्ठी और पाइप की मरम्मत करा दी जाती तो हादसा टाला जा सकता था।

पैसे लेने के आरोप भी लगाए

परिवार ने अधिकारी और उनके ड्राइवर वीरेंद्र पर शोषण और सीसीएल छुट्टी मंजूर करने के लिए पैसे लेने के आरोप भी लगाए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी बृजेश कुमार त्रिपाठी ने इन आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि वह शाहीन की बीमारी के बारे में जानते हैं और उन्होंने कोई बदतमीजी नहीं की।

उन्होंने यह भी बताया कि रसोइयों के झुलसने की शिकायत की जांच के लिए वह विद्यालय गए थे।

वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद 22 सितंबर को बीएसए प्रभात मिश्रा ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में है। दोनों मामलों की जांच के लिए दो टीमें बनाई गई हैं। एक टीम उप जिलाधिकारी के माध्यम से और दूसरी खंड शिक्षा अधिकारियों की है।

ये टीमें तीन दिन में सभी तथ्य जुटाकर रिपोर्ट देंगी, जिसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

नौकरी से हटवाने की धमकी

उन्होंने काम न करने पर नौकरी से हटवाने की धमकी भी दी। विद्यालय की इंचार्ज सहायक अध्यापिका शाहीन बानो उस समय सीसीएल अवकाश पर थीं। विद्यालय का प्रभार सहायक अध्यापिका प्रतिमा के पास था। शाहीन बानो की बेटी साइमा का आरोप है कि वीडियो वायरल होने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी (BEO) बृजेश कुमार त्रिपाठी ने 21 सितंबर को दोपहर 1:30 बजे शाहीन को फोन कर डांटा।

रायबरेली में 25-30 साल पुरानी दुकानें ढहाई गईं

निजी अस्पताल की पार्किंग के लिए रातों-रात खउइ से उजाड़ने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली जिले के मिल एरिया थाना क्षेत्र के मलिकमऊ चौराहे पर मनमानी का एक मामला सामने आया है। यहां पिछले 25 से 30 साल से अपनी रोजी-रोटी चला रहे दुकानदारों की दुकानें रातों-रात जेसीबी से ढहा दी गईं। उनका सामान भी गायब कर दिया गया। पीड़ित दुकानदारों का आरोप है कि पास के एक निजी अस्पताल ने अपनी पार्किंग बनवाने के लिए यह अवैध कार्रवाई की है। दुकानदारों ने बताया कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के उजाड़ दिया गया। वे मलिकमऊ चौराहे पर कई दशकों से कपड़े प्रेस करने और धोने का काम करके अपने परिवार का पेट पाल रहे थे। उनके

मुताबिक, रात के अंधेरे में टीन शेड और गुमटियों को तोड़कर फेंक दिया गया। इससे उनका करीब एक से दो लाख रुपये का सामान और ढांचा बर्बाद हो गया है। इस पूरी घटना का वीडियो पास लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गया है। दुकानदारों का कहना है कि यह जमीन नगर पालिका या सिंचाई विभाग की सरकारी जमीन है। वे वर्षों से यहां दुकानें लगाकर गुजर-बसर कर रहे थे। उनका आरोप है कि स्थानीय डॉक्टर अपने निजी अस्पताल के विस्तार और पार्किंग की सुविधा के लिए इस सरकारी जमीन को खाली करवाना चाहते थे। इसी वजह से बिना किसी प्रशासनिक नोटिस के रातों-रात दुकानों को तोड़ दिया गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की भूमिका पर भी पीड़ित सवाल उठा रहे हैं। दुकानदारों का आरोप है कि पुलिस डॉक्टर के कहने पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने न्याय देने के बजाय उन्हें ही वहां से हटने का दबाव बनाया। अब तक इस मामले में स्थानीय स्तर पर पीड़ितों की कोई सुनवाई नहीं हुई है। इसके चलते गरीब दुकानदारों के सामने आजीविका का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

खाना बना रही थी पत्नी, काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर हुआ शक

कमरे में फंदे से लटका मिला किसान का शव

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। पिहानी कोतवाली क्षेत्र के दतेउनापुर गांव में सोमवार रात एक किसान का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना के समय उनकी पत्नी रसोई में खाना बना रही थीं। काफी देर तक पति के कमरे से बाहर नहीं आने पर उन्हें शक हुआ। कमरे में जाकर देखा तो पति फंदे पर लटके मिले। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। किसान ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजनों ने भी घटना

के कारण को लेकर कोई जानकारी नहीं दी। दतेउनापुर निवासी नीलम मिश्रा (55) पुत्र कन्हैया लाल मिश्रा खेती-किसानी करते थे। परिवार में पत्नी नीलिमा मिश्रा और दो बेटे ज्ञानी व शोभित हैं। दोनों बेटे फिलहाल बाहर काम करते हैं। सोमवार देर शाम घटना के समय घर में नीलम मिश्रा और उनकी पत्नी ही मौजूद थे। बताया गया कि नीलिमा मिश्रा रसोई में खाना बना रही थीं। इसी दौरान नीलम मिश्रा अपने कमरे में चले गए और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आए और अंदर से कोई आवाज भी नहीं आई तो पत्नी को चिंता हुई। नीलिमा मिश्रा ने कमरे के पास जाकर अंदर देखने का प्रयास किया तो पति को फंदे से लटका पाया। यह दृश्य देखकर वह घबरा गईं और शोर मचाने लगीं। उनकी आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही यूपी-112 की टीम और पिहानी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाया और नीलम मिश्रा के शव को फंदे से नीचे उतारा। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे पोस्टमार्टम कराया गया। घटना के बाद किसान की पत्नी और दोनों बेटों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी घटना को लेकर शोक का माहौल है। पिहानी कोतवाल एसएन सिंह ने बताया कि मामले में परिजनों के शिकायती पत्र और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। किसान ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी सामने नहीं आई है।

ठगी : फेसबुक मैसेंजर पर फर्जी आईडी से हुई दोस्ती, एयरपोर्ट स्कैनिंग और आरबीआई के नाम पर 18 बार कराए रुपये ट्रांसफर

लंदन से पार्सल और 18 लाख के डीडी का झांसा देकर 9.74 लाख की साइबर ठगी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। साइबर ठगों ने सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद लंदन से पार्सल आने और उसमें 15 हजार पाउंड का डिमांड ड्राफ्ट होने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 9 लाख 74 हजार रुपये ठग लिए। आरोप है कि ठगों ने पीड़ित का भरोसा जीतने के लिए लंदन से दिल्ली आने की फ्लाइट का टिकट और विदेशी मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल किया। इसके बाद पार्सल की एयरपोर्ट पर स्कैनिंग, डीडी को भारतीय मुद्रा में बदलने और अलग-अलग शुल्क के नाम पर लगातार रकम मांगी गई। संडीला कोतवाली क्षेत्र के घूमनखेड़ा निवासी रामानुज ने मामले में पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी। शिकायत के बाद सोमवार को

दोपहर करीब 1:30 बजे साइबर थाने में पांच आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और ऑनलाइन साइबर फ्रॉड से संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित के अनुसार, मामले की शुरुआत फेसबुक मैसेंजर पर 'रीता फासिस' नाम की आईडी से हुई दोस्ती से हुई। बातचीत के दौरान कथित तौर पर उसे भरोसे में लिया गया।

18 बार अलग-अलग खातों में कराया भुगतान

पीड़ित के अनुसार, उससे कुल 18 बार अलग-अलग बैंक खातों और फोनपे के माध्यम से रकम ट्रांसफर कराई गई। कभी कपड़ों की खरीद के नाम पर तो कभी डीडी की स्कैनिंग और अन्य शुल्क के नाम पर भुगतान मांगा गया।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि ठगों ने भारतीय रिजर्व बैंक का एटीएम मास्टर कार्ड भेजने की बात कही और बाद में पीड़ित को एक कार्ड कोरियर से भेजा गया।

इसके बाद कार्ड को सक्रिय कराने के नाम पर फिर से पैसे मांगे गए।

पैसे देने से मना किया तो दी धमकी

जब पीड़ित ने आगे रुपये देने से इनकार कर दिया तो कथित तौर पर फोन पर उसे धमकाया गया। आरोप है कि ठगों ने कहा कि यदि भुगतान नहीं किया गया तो कार्ड रद्द कर दिया जाएगा और पूरी रकम जब्त हो जाएगी। लगातार भुगतान करने के बाद भी जब कोई वास्तविक लाभ नहीं मिला तो पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की और मामले की जांच व कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पांच नामजद आरोपियों रीता फांसिस, इमरान हुसैन, सोनू कुमार, विशाल और रानू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। साइबर थाना पुलिस अब बैंक खातों में हुए लेनदेन, फोनपे ट्रांजेक्शन, मोबाइल नंबरों और सोशल मीडिया अकाउंट से जुड़े विवरण की जांच कर रही है। पुलिस की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि ठगी की रकम किन खातों में पहुंची और इस पूरे मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

"पीड़ित का आरोप है कि ठगों ने एक बार में पूरी रकम नहीं मांगी, बल्कि अलग-अलग कारण बताकर धीरे-धीरे भुगतान कराया। इससे वह उनके झांसे में आता गया।"

उन्नाव में गंगा का जलस्तर घटा

49 सेंटीमीटर नीचे पहुंचा चेतावनी बिंदु, बाढ़ प्रभावितों को राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गंगा का जलस्तर लगातार गिर रहा है। मंगलवार को केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, जलस्तर 111.510 मीटर रिकॉर्ड किया गया। यह चेतावनी बिंदु 112 मीटर से 49 सेंटीमीटर नीचे है, जबकि खतरे का निशान 113 मीटर है। जलस्तर घटने से प्रशासन और बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों को राहत मिली है। हालांकि, नदी किनारे के इलाकों में बाढ़ का असर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। कई जगह पानी भरा होने, कीचड़ और गंदगी के कारण लोगों की रोजमर्रा की दिक्कतें अभी बनी हुई हैं। पिछले सप्ताह गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया था। तब पश्चिमी गंगाघाट क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई थी। कर्बला, गोताखोर, हुसैन-नगर, सैय्यद कंपाउंड, तेजीपुरवा और मनसाखेड़ा जैसे कई इलाकों में घरों और रास्तों के आसपास पानी भर

गया था। कई स्थानों पर आने-जाने के लिए लोगों को नाव का सहारा लेना पड़ा था। अब जलस्तर कम होने के साथ पानी भी घट रहा है, लेकिन कई रास्तों पर अभी भी पानी भरा हुआ है। पश्चिमी गंगाघाट के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पानी कम होने के बाद अब कीचड़ और गंदगी की दिक्कत बढ़ गई है। कर्बला, गोताखोर, हुसैननगर, सैय्यद कंपाउंड और तेजीपुरवा में कई रास्तों पर कीचड़ जमा है, जिससे पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। कुछ स्थानों पर ज्यादा पानी होने के कारण दोपहिया वाहनों का आना-जाना भी

प्रभावित है। स्थानीय लोगों को जरूरी सामान लाने और अन्य कामों के लिए ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। जरूरत के हिसाब से नावों का संचालन भी जारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बाढ़ का असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। गजियाखेड़ा, पीपरखेड़ा और गड़रियन पीपरखेड़ा समेत आसपास के गांवों में जलस्तर घटने से लोगों को राहत मिली है, लेकिन कई संपर्क मार्गों पर अब भी पानी भरा है। ग्रामीणों के मुताबिक, पानी कम होने के साथ रास्तों पर कीचड़ और गंदगी जमा हो गई है।

सम्पादकीय

चेतावनी पर्याप्त नहीं

साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग ने यह जो चेतावनी जारी की कि सिम कार्ड के दुरुपयोग पर तीन साल की जेल और 50 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, उससे ऐसा होना बंद होगा, इसमें संदेह है। संदेह का कारण यह है कि दूसरों के दस्तावेज से सिम कार्ड लेने-देने का काम साइबर अपराधी या फिर उनसे मिले हुए सिम कार्ड बेचने वाले करते हैं। यह ध्यान रहे कि दूरसंचार विभाग को उक्त चेतावनी इसलिए जारी करनी पड़ी, क्योंकि छत्तीसगढ़ में एक प्वाइंट आफ सेल एजेंट ने कुछ नागरिकों के पहचान पत्रों के जरिये 25 सिम कार्ड एक्टिवेट कर दिए थे। इस बारे में इन नागरिकों को कोई जानकारी नहीं थी और न ही उनसे कोई सहमति ली गई थी। स्पष्ट है कि प्वाइंट आफ सेल एजेंट ने इन नागरिकों के पहचान पत्र छल-छद्म से हासिल कर रखे होंगे। चूंकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ, इसलिए दूरसंचार विभाग को केवल चेतावनी जारी करने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। साइबर धोखाखड़ी और मोबाइल से जुड़ी अन्य गैर-कानूनी गतिविधियां जिस तरह बढ़ती चली जा रही हैं, उन्हें देखते हुए दूरसंचार विभाग को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिससे कोई दूसरे के नाम पर सिम कार्ड ले ही न सके। सिम कार्ड बिक्री के नियम-कानूनों को सख्त करने की आवश्यकता इसलिए और बढ़ गई है, क्योंकि साइबर फ्राड के ज्यादातर मामलों में यही सामने आता है कि लोगों को ठगने के लिए फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल हुआ। इसी तरह यह भी किसी से छिपा नहीं कि साइबर धोखाधड़ी, जो एक तरह की डकैती में बदल गई है, में म्यूल खातों का उपयोग हो रहा है। स्पष्ट है कि बैंकों को भी कमर कसने की जरूरत है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि साइबर धोखाधड़ी के कुछ मामलों में बैंक कर्मियों की मिलीभगत पाई गई है और कुछ बैंक कर्मी पकड़े भी गए हैं। सरकार को इसका आभास होना चाहिए कि पुलिस एवं सुरक्षा एजेंसियां डाल-डाल हैं तो साइबर ठग पात-पात। साइबर ठग सुरक्षा एजेंसियों की आंखों में धूल झोंकने में इसलिए समर्थ हैं, क्योंकि वे डिजिटल तंत्र की कमजोरियों का लाभ उठाने में समर्थ हैं। एक ऐसे समय जब मोबाइल कनेक्टिविटी और डिजिटल सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है, तब यह देखा ही जाना चाहिए कि डिजिटल तंत्र में ऐसी कौन सी कमजोरियां हैं, जिनका लाभ साइबर अपराधी उठा रहे हैं। इन कमजोरियों के कारण ही वे न केवल लोगों को ठगने, बल्कि उनका पैसा विदेश भेजने में समर्थ रहते हैं। विडंबना यह है कि अधिकांश मामलों में ठगी की राशि वापस नहीं मिल पाती। सरकार को इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है कि साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बाद भी लोग उसके प्रति जागरूक क्यों नहीं हो पा रहे हैं?

आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल

आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बढ़ती अनैतिकता, शिक्षकों की जवाबदेही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को फिलहाल आत्महत्या के रूप में रिपोर्ट किया गया है, इसके पीछे की परिस्थितियों और किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी का निर्धारण जांच का विषय है। मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह धारणा पैदा हुई कि मामले को जिस तरीके से संभाला गया, उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपत्र सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र-प्रतिनिधित्व, बेहतर काउंसलिंग, चौबीसों घंटे मनोचिकित्सकीय सहायता, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और परीक्षा में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अधिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए, हालांकि संस्थान की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। यहीं से इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। क्या शिक्षा संस्थान में अनुशासन और मानवीय संवेदना एक-दूसरे के विरोधी हैं? निश्चित रूप से नहीं। परीक्षा में नकल, मोबाइल का अनुचित इस्तेमाल अथवा एआई के माध्यम से अनुचित सहायता लेना शिक्षा की विश्वसनीयता के लिए गंभीर चुनौती है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान ऐसी अनैतिकताओं को रोकने में असफल होते हैं तो डिग्री, शोध और प्रतिभा की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। लेकिन दूसरी ओर अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिसमें आरोप की निष्पक्ष जांच, छात्र को अपनी बात रखने का अवसर, अपील की व्यवस्था और मानसिक स्थिति को समझने की संवेदनशीलता शामिल हो। अपराध या अकादमिक कदाचार को नजरअंदाज करना भी गलत है और किसी छात्र को बिना समुचित प्रक्रिया के सामाजिक रूप से दोषी ठहरा देना भी। आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होंगे। विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना होगा कि एआई का उपयोग कहां स्वीकार्य है, कहां निषिद्ध है और उल्लंघन की स्थिति में कौन-सी पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शिक्षकों को भी केवल दंड देने वाले अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है, इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जाति, आर्थिक स्थिति, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए।

भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केंद्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिकायत निवारण संबंधी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध हैं। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समयबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सकें। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए। शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव, उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत अकादमिक कदाचार पर कार्रवाई की है, तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है। सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुखद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों की आवाज उठाने का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों, धरनों और दबाव की राजनीति से तय होने लगे तो विश्वविद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खारिज कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रास्ता दोनों के बीच है-संवाद, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल प्लेसमेंट, रैंकिंग, पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है, शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संस्थान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है।

- ललित गर्ग

> 66
> **आईआईटी जैसी शिक्षण संस्थाएं ज्ञान, संवाद और चरित्र निर्माण के केंद्र हैं-उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उन्हें जवाबदेही से मुक्त रखना भी नहीं है।**

दिल्ली के इस ...

अशोक भाटिया

नस-नस में घुलता जहर और टूटते भविष्य का चक्रव्यूह

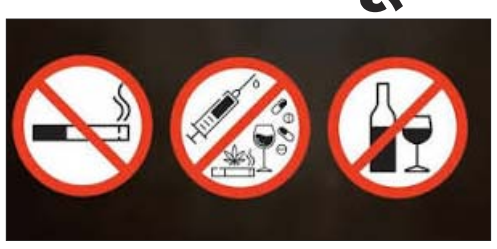

देश की राजधानी दिल्ली से लेकर सरहदी सूबे पंजाब तक, आज हमारा पूरा समाज एक ऐसे अदृश्य और घातक युद्ध का सामना कर रहा है, जिसके हथियार बारूद की तरह धमाका नहीं करते, बल्कि चुपचाप हमारी रगों में पिघलकर एक पूरी पीढ़ी को भीतर से खोखला कर रहे हैं। नशीले पदार्थों का फैलता यह मायाजाल केवल कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर एक सामान्य चुनौती नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक ताने-बाने, पारिवारिक संभलने की उम्मीदों और राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक सीधा प्रहार है। जब किसी देश की युवा आबादी रचनात्मकता, तकनीक और विकास के नए सोपान गढ़ने के बजाय सिंथेटिक ड्रग्स और हेरोइन के नशे में अपनी सुध-बुध खोने लगे, तो वह संकट किसी महामारी से कम नहीं रह जाता। विडंबना यह है कि यह धंधा अब सिर्फ कुछ खास इलाकों या महानगरों के अंधेरे कोनों तक सीमित नहीं रहा; यह आधुनिक तकनीक और डार्कवेब की बैसाखी थामकर देश के हर कोने में पैर पसार चुका है।

यदि हम इस समस्या के तात्कालिक और सबसे भयावह गढ़ को देखें, तो देश की धड़कन कही जाने वाली दिल्ली इस त्रासदी की अग्रिम पंक्ति में आकर खड़ी हो गई है। दिल्ली में ड्रग्स का यह मायाजाल किस कदर फैल चुका है, इसका सबसे ताजा और खौफनाक उदाहरण हाल ही में सामने आया है। दिल्ली पुलिस द्वारा चलाए गए एक व्यापक 96 घंटे के विशेष एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन में लगभग 5 करोड़ रुपये की भारी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं। इस बड़े एक्शन में पुलिस ने 19 से अधिक ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनमें छह विदेशी नागरिक भी शामिल हैं जो राजधानी की सड़कों पर मौत का यह सामान बांट रहे थे। इस जब्ती में केवल पारंपरिक गांजा ही नहीं, बल्कि हेरोइन, अफीम, एमडी , एमडीएमए और कोकीन जैसे अत्यंत घातक और महंगे सिंथेटिक ड्रग्स बरामद हुए हैं। दिल्ली में ड्रग्स का यह स्वरूप बेहद कॉरपोरेट और खतरनाक हो चुका है, जहाँ नाइजीरियाई और अन्य अंतरराष्ट्रीय गिरोहों की सक्रियता से लेकर स्थानीय पेडलर्स का एक ऐसा जाल तैयार हो गया है जो स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को अपना आसान शिकार बना रहा है। महानगर की चकाचौंध, 'पीयर प्रेशर' (दोस्तों के बीच कूल दिखने की चाहत), माता-पिता की व्यस्त जीवनशैली और बच्चों के एकाकीपन ने इस आग में घी डालने का काम किया है। दिल्ली पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो आए दिन करोड़ों रुपये की खेप पकड़ते हैं, लेकिन यह जब्ती समुद्र में एक बूंद जैसी ही दिखाई देती है, क्योंकि मांग की जो खाई तैयार हो चुकी है, उसे पाटना केवल पुलिसिया कार्रवाई के बस की बात नहीं है।

दिल्ली के इस कॉरपोरेट ड्रग नेटवर्क के तार जब राज्यों की सीमाओं को पार करते हैं, तो पंजाब का नाम इस त्रासदी के दूसरे सबसे बड़े प्रभावित केंद्र के रूप में उभरता है। कभी अपनी खुशहाली, हरित क्रांति और गबरू जवानों के पौरुष के लिए पहचाने जाने वाला पंजाब आज पिछले कुछ दशकों से नशे के ऐसे दलदल में फंसा है जिससे निकलना उसके लिए लगातार मुश्किल होता जा रहा है। दिल्ली जहाँ एक बड़े वितरण केंद्र और उपभोक्ता बाजार के रूप में इस्तेमाल हो रही है, वहीं पंजाब सीमा पार से होने वाली नार्को-तस्करी की सीधी मार झेल रहा है। सरहद पार से होने वाली ड्रोन तस्करी, पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय रास्तों से छनकर आने वाली हेरोइन और स्थानीय स्तर पर मिलने वाले सिंथेटिक ड्रग्स ने पंजाब के गांवों और कस्बों को श्मशान जैसी खामोशी की तरफ धकेल दिया है। आंकड़ों और हालिया रिपोर्टों से यह साफ जाहिर होता है कि पंजाब में ड्रग्स की समस्या अब सिर्फ चुनावी रैलियों का एक खोखला नारा बनकर रह गई है, जबकि जमीन पर स्थिति यह है कि राज्य ने अपनी युवा ऊर्जा का एक बड़ा हिस्सा 'चिट्टे' की भेंट चढ़ा दिया है। बेरोजगारी, कृषि क्षेत्र का ठहराव और पश्चिम की तरफ भागने की अंधी दौड़ ने युवाओं को एक ऐसे अवसाद में धकेला, जिसका फायदा सीधे तौर पर सीमा पार बैठे तस्करों और स्थानीय राजनेताओं-अपराधियों के गठजोड़ ने उठाया।

वैश्विक स्तर पर भारत की भौगोलिक अवस्थिति ने इस संकट को और अधिक संवेदनशील बना दिया है, क्योंकि हम दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उत्पादक क्षेत्रों—'गोल्डन क्रेसेंट' (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान) और 'गोल्डन ट्राएंगल' (म्यांमार, लाओस, थाईलैंड)—के बीच सैंडविच की तरह फंसे हुए हैं। इसी भौगोलिक मजबूरी और सीमाओं के पार से होने वाली साजिशों के कारण दिल्ली और पंजाब जैसे क्षेत्र इस समय नशे की सबसे भीषण मार झेल रहे हैं। आज का ड्रग माफिया केवल सीमाओं पर कंटीली तारों के नीचे से पैकेट फेंकने तक सीमित नहीं है।

नदी की कहानी...

पर्यावरण शोधार्थी

हमारी नदियाँ: बहती धाराओं से सूखते जीवन तक

कभी नदी किसी शहर की पहचान हुआ करती थी। उसके किनारे बस्तियाँ बसती थीं, खेतों को पानी मिलता था, मछलियाँ और अन्य जलीय जीव पनपते थे और लोगों का जीवन उसके प्रवाह से जुड़ा होता था। नदी केवल भूगोल का हिस्सा नहीं थी, वह समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का भी हिस्सा थी। लेकिन आज कई नदियाँ हमारे बीच मौजूद होते हुए भी धीरे-धीरे अपने पुराने स्वरूप से दूर होती जा रही हैं।

हाल के वर्षों में हुए वैज्ञानिक अध्ययनों ने नदियों के बदलते स्वरूप को लेकर कई महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं। 2026 में प्रकाशित Earth's Future के एक अध्ययन में 1980 से 2021 के बीच गंगा बेसिन के स्ट्रीमफ्लो में लगभग 17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। अध्ययन में यमुना, रामगंगा और Upper Ganga जैसी प्रमुख सब-बेसिन में भी स्ट्रीमफ्लो में गिरावट पाई गई। शोधकर्ताओं ने गंगा बेसिन में इस गिरावट के पीछे इंटेंसिव ग्राउंडवॉटर पंपिंग को प्रमुख कारणों में शामिल किया और बताया कि कमजोर होती समर मॉनसून वर्षा ने इस प्रभाव को और बढ़ाया। यह निष्कर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नदी का संकट केवल नदी के भीतर मौजूद पानी का संकट नहीं है। 2024 में Communications Earth & Environment में प्रकाशित एक अध्ययन ने भी Ganges–Brahmaputra Basin में इरिगेशन-ड्रिवन ग्राउंडवॉटर डीप्लीशन और क्लाइमेट परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन किया। शोध के अनुसार इन प्रक्रियाओं के कारण Bay of Bengal की ओर जाने वाले फ्रेशवॉटर फ्लो में भी कमी हो सकती है।

नदी का संकट केवल उसके पानी में दिखाई देने वाली गंदगी नहीं है। असली संकट तब शुरू होता है जब नदी का प्राकृतिक प्रवाह बदलता है, उसके किनारे का इकोलॉजिकल ज़ोन समाप्त होने लगता है, वेटलैंड्स सिकुड़ते हैं, फ्लडप्लेन पर दबाव बढ़ता है और नदी से जुड़े छोटे जलस्रोत अपना संबंध खोने लगते हैं। धीरे-धीरे नदी एक जीवित प्रणाली से बदलकर केवल एक ड्रेनेज चैनल जैसी दिखाई देने लगती है।

नदी की कहानी में प्रदूषण भी एक महत्वपूर्ण अध्याय है। 2025 में Water Research में प्रकाशित एक अध्ययन ने लगभग 2700 किलोमीटर लंबे Ganga River stretch में वाटर क्वालिटी का अध्ययन किया। इसमें एग्रीकल्चर, इंडस्ट्री, सीवेज, अर्बनाइजेशन और ट्रिब्यूटरी इनपुट को नदी के फिजिको-केमिकल, न्यूट्रिएंट और माइक्रोबियल characteristics में बदलाव से जोड़ा गया। इसीलिए नदी संरक्षण को केवल "नदी की सफाई" तक सीमित करना पर्याप्त नहीं होगा। नदी को साफ करने से पहले उसके प्रदूषण के स्रोत, प्रवाह में बदलाव और पूरे इकोसिस्टम पर पड़ रहे दबावों को समझना आवश्यक है। केवल नदी के भीतर दिखाई देने वाले प्रदूषण पर काम करने के बजाय उस पूरे कैचमेंट को देखना होगा, जहाँ से प्रदूषण, सेडिमेंट और रनऑफ नदी तक पहुँचते हैं।

कर्म गति टारे नाहिं टरी

कर्मों की गति बड़ी विचित्र हैं यह कब , कैसे , कहाँ ,क्या आदि गति पकड़ती हैं इसका कोई भी अनुमान नहीं लगा सकता हैं ।जिस प्रकार चन्दन अपनी शीतलता के स्वभाव को नहीं त्यागता उसी प्रकार हमें भी अपनी कल्याणकारी महान् प्रवृत्ति का त्याग नहीं करना चाहिए और हमारे प्रति भले ही कोई व्यक्ति दुर्व्यवहार करे किन्तु हमें उसके साथ भी सद्व्यवहार ही करना चाहिये यही इस सूक्ति की सीख है फलतः जो व्यक्ति दूसरों के प्रति दुर्व्यवहार करता है उसके हृदय में उसका अपना दुर्व्यवहार ही शूल (कर्म) बनकर उसे पीड़ा पहुँचाता है । इसके विपरीत सद्व्यवहार करने वाले के हृदय में उसका ही सव्यवहार उसे सुख,आनन्द एवं,पुष्प की शाश्वत सुगन्ध प्रदान करके उसके जीवन में यश एवं कीर्ति रूपी सुगन्ध को प्रत्येक दिशा में द्विगुणित कर देता है। अतः हम जैसे कर्म करते है,

> हमें उसका वैसा ही फल मिलता है, हमारे द्वारा किये गए कर्म ही हमारे पाप और पुण्य तय करते है। जर्जर कस्ती के सहारे तूफानों से लङने का इरादा है। लङखडा रहे हैं कदम पर दूर तक चलने का वादा है। कैसे कोई जी सकता है निरोग निरामय,आनन्द का जीवन ? जब जीवनशैली के प्रति हमारी जागरूकता कम व उदासीनता ज्यादा है।जीवन का यही है संघर्ष मन के पिछे भागे तो होगा हमारे अजीब विरोधाभास । आत्मा जागे तो होगा सही पुरूषार्थ। जीवन जीने का सही फार्मुला होगा हमारे पास। सांसारिक दृष्टि से देखेंगे तो कहेंगे

> जीवन में पद,प्रतिष्ठा और पैसा जबकि यह सही में कुछ काम के नहीं हैं यदि तुष्टि ,संतुष्टी और कोई अपना नहीं।खुशियाँ नहीं मिलती पैसों से मिलती हैं अपनों के अपनत्व से।जीवन है आनंद के लिए न कि तनाव लेकर दौड़-धूप करते-करते ही मरने के लिए।

> प्रदीप छाजेड़
> (बोरावड़)

जरा हटके

संस्था की ओर से ...

बी0एल0 यादव

स्वयं सहायता समूह की सदस्या ने ई-रिक्शा की कमान थामकर लिखी आत्मनिर्भरता की नई इबारत

वाराणसी जनपद के चोलापुर क्षेत्र के मुनारी, बाबतपुर और आसपास के इलाकों में सड़कों पर पूरे आत्मविश्वास के साथ ई-रिक्शा चलाती नीलम देवी आज केवल यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने का काम नहीं कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और हौसले की प्रेरक मिसाल बन चुकी हैं। कभी यह सवाल उनके सामने था कि क्या एक महिला ई-रिक्शा चलाकर अपना रोजगार खड़ा कर सकती है, लेकिन आज उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने इस सवाल का जवाब खुद दे दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी के कुशल नेतृत्व में सरकार द्वारा महिलाओं के लिए समूहों के माध्यम से दी जा रही सुविधाओं सहायता से वे विभिन्न उद्यम अपनाकर आत्मनिर्भर हो रही है। श्रीमती नीलम देवी विकास स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं तथा नारी शक्ति महिला प्रेरणा महिला संकुल समिति से संबद्ध हैं। स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके सामने आजीविका के नए अवसरों की राह खुली और उन्होंने पारंपरिक कामों से आगे बढ़कर अपना स्वयं का रोजगार शुरू करने का साहस किया। आज श्रीमती नीलम देवी प्रतिदिन लगभग छह से सात घंटे ई-रिक्शा चलाती हैं और औसतन 800 से 900 रुपये प्रतिदिन की आय अर्जित करती हैं। वर्तमान में उनकी मासिक आय लगभग 25 से 30 हजार रुपये तथा वार्षिक आय लगभग 3 से 3.5 लाख रुपये तक पहुंच गई है। इस आय से वह परिवार के घरेलू खर्च में सहयोग करने के साथ ही अपने बच्चों की शिक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उनकी आर्थिक स्थिति में आया यह बदलाव उनके पूरे परिवार के लिए आत्मविश्वास और सम्मान का कारण बना है। ई-रिक्शा चलाने का निर्णय लेना नीलम देवी के लिए आसान नहीं था। जब उन्होंने इस काम को शुरू करने की इच्छा व्यक्त की तो समाज के कुछ लोगों ने सवाल उठाए। किसी ने उनकी क्षमता पर संदेह किया तो किसी ने यह कहकर हतोत्साहित किया कि ई-रिक्शा चलाना महिलाओं के लिए उचित काम नहीं है। इन बातों ने कभी-कभी उनके आत्मविश्वास को जरूर प्रभावित किया, लेकिन परिवार के लिए बेहतर भविष्य बनाने की उनकी इच्छा इससे कहीं अधिक मजबूत थी। नीलम देवी ने खुद को एक अवसर देने का निर्णय लिया और आदर्श इंटर कॉलेज ग्राउंड में आयोजित ड्राइविंग प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने वाहन चलाने की बारीकियां सीखीं और धीरे-धीरे उनके भीतर का डर आत्मविश्वास में बदलता गया। प्रत्येक प्रशिक्षण के साथ उनका विश्वास मजबूत होता गया कि वह अपने पैरों पर खड़ी होकर अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य बना सकती हैं। इस यात्रा में उन्हें डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स का सहयोग भी मिला। संस्था की ओर से उन्हें ड्राइविंग प्रशिक्षण, तकनीकी जानकारी, व्यवसाय पंजीकरण, ऋण आवेदन, वाहन के रखरखाव, रूट मैपिंग, बैंकिंग प्रक्रियाओं तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं मार्गदर्शन मिला। इस निरंतर सहयोग ने उन्हें ई-रिक्शा व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया को समझने और हर कदम पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद की। अपने सपने को साकार करने के लिए नीलम देवी ने लगभग 2.40 लाख रुपये का माइक्रोफाइनेंस ऋण लिया और अपनी ई-रिक्शा खरीदी। ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने से लेकर वाहन खरीदने तक मिली तकनीकी एवं वित्तीय सहायता ने उनके सपने को हकीकत में बदल दिया। यह उनके जीवन का वह महत्वपूर्ण मोड़ था, जब उन्होंने रोजगार तलाशने के बजाय स्वयं रोजगार सृजित करने का रास्ता चुना। ई-रिक्शा लेकर सड़क पर उतरने के शुरुआती दिन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहे। भीड़भाड़ वाले रास्तों पर वाहन चलाना, यात्रियों का विश्वास हासिल करना और समाज की हतोत्साहित करने वाली बातों का सामना करना उनके लिए आसान नहीं था। लेकिन नीलम देवी ने हार नहीं मानी। उन्होंने हर चुनौती को सीखने का अवसर बनाया और निरंतर मेहनत करते हुए अपने काम में दक्षता हासिल की। समय के साथ यात्रियों का भरोसा भी बढ़ता गया। उनकी सुरक्षित और जिम्मेदार सेवा के कारण क्षेत्र के लोग उन्हें पहचानने लगे। जो महिला कभी यह सोचकर आशंकित थीं कि वह ई-रिक्शा चला पाएंगी या नहीं, वही आज अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित कर रही हैं और प्रतिदिन अपनी मेहनत से आय अर्जित कर रही हैं। श्रीमती नीलम देवी की सफलता का असर उनके परिवार तक ही सीमित नहीं रहा। उनके पति, जो शुरुआत में उनके इस निर्णय को लेकर आशंकित थे, आज उनके सबसे बड़े समर्थकों में शामिल हैं और उनकी उपलब्धि पर गर्व करते हैं। परिवार के लिए नीलम अब केवल गृहिणी नहीं, बल्कि आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी हैं। प्रदेश सरकार की ग्रामीण क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह योजना केवल बचत और ऋण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि महिलाओं को आजीविका के नए अवसरों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम भी बन रहे हैं। प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग, सही मार्गदर्शन और स्वयं पर विश्वास के साथ महिलाएं अपनी परिस्थितियों को बदलने की क्षमता रखती हैं। आज नीलम देवी की सफलता को केवल उनकी 25 से 30 हजार रुपये प्रतिमाह की आय से नहीं मापा जा सकता। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि उनका बढ़ा हुआ आत्मविश्वास है।

विधवा और निसंतान युवतियों को फंसाता, 50 से अधिक के साथ शारीरिक संबंध बनाने का आरोप

महिलाओं ने साधु को लाठी-डंडों से पीटा

पिटाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में महिलाओं ने एक साधु की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। इसके बाद कमरे से खींचकर उसे बाहर ले गईं, जहां लात-घूंसों से उसकी पिटाई की। महिलाओं का आरोप है कि बाबा विधवा और निसंतान महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर शारीरिक संबंध बनाता था। आरोप है कि बाबा ने करीब 100 महिलाओं को संतान प्राप्ति अनेक मनोकामनाएं पूरी करने के नाम पर फंसाया। उनके साथ शारीरिरिक संबध बनाए। महिलाओं का वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल किया। बदनामी के डर से कई महिलाएं शिकायत नहीं कर पाईं। आरोपी चैतन्य बिहार स्थित एक गेस्ट हाउस

युवती ने बताया कि साधु संबंध बनाने के साथ महिलाओं के आपत्तिजनक वीडियो भी बना लेता था। इसके बाद इन वीडियो के जरिए उन्हें ब्लैकमेल करता था। बदनामी के डर से कई महिलाएं उसके खिलाफ शिकायत नहीं कर पाती थीं पीड़िता के मुताबिक, जब उसकी हरकतें बढ़ने लगीं और महिलाओं के साथ मारपीट की शिकायतें भी सामने आने लगीं।

पहुंचा। इसकी जानकारी मिलते ही कई पीड़ित महिलाएं वहां पहुंच गईं। उन्होंने कमरे में आरोपी को घेरकर पकड़ लिया। आरोपी के पकड़े जाने के बाद महिलाओं ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। किसी ने उसके बाल पकड़े तो किसी ने चप्पल से पीटा। कुछ महिलाओं ने लाठी-डंडों से भी मारपीट की।

फेसबुक के जरिए भी महिलाओं से संपर्क का आरोप

एक अन्य पीड़िता ने बताया कि फेसबुक के जरिए उसकी आरोपी साधु से पहचान हुई थी।

साधु अलग-अलग नामों से महिलाओं से संपर्क करता था।

वह खास तौर पर निसंतान और विधवा महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके साथ भी मारपीट की थी।

उसने उसके बाल पकड़कर खींचे थे। महिलाओं का आरोप है।

कि आरोपी के खिलाफ शिकायत करने की कोशिश करने पर वह लगातार जगह बदलता रहा।

देवी मंदिर में हुई थी पहली मुलाकात, शारीरिक शोषण का आरोप

भोपाल की रहने वाली एक युवती ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी मुलाकात राजस्थान के सवाई माधोपुर(50) के रहने वाले साधु हिम्मत गिरी उर्फ हेमंत राज मीणा से चित्तौड़गढ़ के एक देवी मंदिर में हुई थी। मुलाकात के बाद साधु ने मुझसे संपर्क बढ़ाया और मुझे अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब मैंने इसका विरोध किया तो मेरे साथ मारपीट की गई। मैंने इस मामले की शिकायत चित्तौड़गढ़ थाने में की थी। शिकायत के बाद आरोपी वहां से भाग गया था। युवती ने बताया कि बाद में मुझे जानकारी मिली कि आरोपी कई अन्य महिलाओं के साथ भी इसी तरह संपर्क बनाता था। इसके बाद अपने झांसे में शारीरिक संबंध बनाता था।

वृंदावन बुलाया, कमरे में पीटा

आरोपी को पकड़ने के लिए पीड़िताओं ने विश्व हिंदू परिषद के कुछ पदाधिकारियों से संपर्क किया। विहिप के मथुरा महानगर गौ रक्षा प्रमुख लक्ष्मण सिंह ने बताया कि महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने मिलकर बाबा को पकड़ने की योजना बनाई। आरोपी से संपर्क कर उसे वृंदावन बुलाया गया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर वृंदावन कोतवाली ले गई।

एक महिला ने राजस्थान में आरोपी के खिलाफ 7 महीने पहले शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद वह फरार चल रहा था। उसे पकड़ने के लिए महिलाओं ने विहिप के कुछ पदाधिकारियों के साथ मिलकर योजना बनाई। योजना के तहर बाबा को वृंदावन बुलाया।

शादी का झांसा देकर दुराचार का आरोप, वांछित आरोपी गिरफ्तार

बंथरा पुलिस ने नानमऊ निवासी जितेंद्र सिंह को पकड़ा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बंथरा पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से दुराचार करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के आरोप में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के मुताबिक बंथरा निवासी महिला ने 10 सितंबर 2026 को थाने में तहरीर दी थी। तहरीर में नानमऊ निवासी जितेंद्र सिंह पर शादी का झांसा देकर दुराचार करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाया गया था। तहरीर के आधार पर बंथरा थाने में जितेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई थी। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी जानकारी, मैनुअल इनपुट और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस के अनुसार मंगलवार को टीम ने आरोपी जितेंद्र सिंह (32) पुत्र वीरेंद्र सिंह, निवासी ग्राम नानमऊ, थाना बंथरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना बंथरा में मुकदमा अपराध संख्या 306/2026 दर्ज है।

फास्ट न्यूज

शादी की रात दूल्हा-दुल्हन की लाश मिली

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में सुहागरात पर दूल्हा-दुल्हन की कमरे में लाश मिली है। पत्नी की लाश लाल जोड़े में फर्श पर पड़ी थी, जबकि पति का शव लटका हुआ मिला। पुलिस को शक है कि रात में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद पति ने पत्नी की हत्या करके खुद जान दे दी। मंगलवार सुबह 7 बजे तक बहू कमरे से बाहर नहीं निकली तो मौसी जगाने पहुंची। बाहर से आवाज लगाने पर दोनों ने कोई जवाब नहीं दिया।

अतीक-मुख्तार की मौत पर रामगोपाल यादव ने उठाए सवाल

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव और सांसद प्रो. रामगोपाल यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

शिकोहाबाद में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी की मौत पर सवाल उठाए, साथ ही जांच की मांग की। प्रो. रामगोपाल यादव ने अतीक अहमद की हत्या का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लोगों ने देखा कि मीडिया के सामने कैसे हत्या कर दी गई। उनका दावा है कि हत्या की योजना कहां बनी, यह सब जानते हैं।

भाजपा नेता की अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका

कन्नौज। कन्नौज में भाजपा नेता की अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। इसमें एक कारीगर झुलस गया। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। यहां उसकी हालत गंभीर बनी है। धमाका होते ही छत पर लगा टीनशेड 25 फीट दूर जा गिरा। मकानों में दरारें आ गईं। पता चलते ही डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री और एसपी विनोद कुमार मोके पर पहुंचे। घटनास्थल पर जांच पड़ताल कर आसपास के लोगों से पूछताछ की।

नितिन नवीन ने दलित कार्यकर्ता के घर मे खाया खाना

रविदास मंदिर में पूजा की, सहारनपुर में 7 सीटें, इनमें 22% दलित आबादी

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मंगलवार दोपहर सहारनपुर में दलित कार्यकर्ता के घर पहुंचे। यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और कार्यकर्ता अजब सिंह के साथ बैठकर खाना खाया। उन्हें अरहर की दाल, रोटी, पुलाव, आलू की सूखी सब्जी, रायता और आइसक्रीम परोसी गई। नितिन नवीन 25 मिनट तक अजब सिंह के घर रुके। नितिन नवीन ने संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। इस दौरान लोगों ने उन्हें रविदास महाराज की मूर्ति और पुस्तक भेंट की। इससे पहले नितिन नवीन ने पश्चिमी यूपी के सांसदों, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ होटल सरोवर में बैठक की। उन्होंने जिलाध्यक्षों से चुनावी तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान पदाधिकारियों ने पार्टी और संगठन में सम्मान नहीं मिलने की शिकायत की। इस पर नितिन नवीन ने कहा- सभी मिलकर पार्टी को जिताने का काम करें। किसी की उपेक्षा नहीं होने दी जाएगी। सरकार बनने पर पार्टी उन्हें उचित सम्मान देने का काम करेगी। बैठक से बाहर निकलने के बाद मीडिया कर्मियों से नितिन नवीन ने कहा- हमें सभी समाज को पूरी तरह जोड़कर आगे बढ़ाना है। यूपी में लगातार विकास हो रहा है। आज सहारनपुर और पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कार्यकर्ताओं से बातचीत की। कार्यकर्ताओं का उत्साह और ऊर्जा संकेत दे रही है कि 2027 में भाजपा फिर प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। कार्यकर्ताओं के साथ जनता भी सड़कों पर नजर आई। भाजपा अध्यक्ष ने कहा- जिस राज्य को कभी माफियाओं के लिए जाना जाता था, आज वही यूपी युवाओं, सेमीकंडक्टर और एआई के लिए दुनिया में पहचान बना रहा है। एक्सप्रेस-वे और ब्रह्मोस जैसी मिसाइल का निर्माण नए यूपी की पहचान है। सहारनपुर में 7 विधानसभा सीटें हैं- बेहट, नकुड़, सहारनपुर नगर, सहारनपुर देहात, देवबंद, रामपुर मनिहारन और गंगोह। इनमें रामपुर मनिहारन अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व है।

युवाओं को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार देने वाला बनने के लिए किया गया प्रेरित

इन्वर्टिस में युवाओं के विचारों को मिला मंच, ब्रह्माबाइट इनोवेशंस ने मारी बाजी

- 'संवाद, संकल्प, सफलता' थीम पर विद्यार्थियों ने पेश किए नए कारोबारी विचार
- 'ट्रैवल देखो' दूसरे और 'एसएस पार्ट्स प्लैनेट प्राइवेट' लिमिटेड तीसरे स्थान पर रही

तमसा संकेत, संवाददाता

शक्ति क्षेत्र में युवाओं ने लिखे आत्मनिर्भर यूपी के सपने

विद्यार्थियों की रचनात्मकता को मंच देने के लिए आयोजन स्थल पर विशेष 'शक्ति क्षेत्र' बनाया गया। यहां छात्र-छात्राओं ने पर्चियों पर आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश को लेकर अपने विचार और सपने लिखकर साझा किए। युवाओं ने बताया कि वे अपने कौशल और नवाचार के माध्यम से प्रदेश के विकास में किस तरह योगदान देना चाहते हैं। कार्यक्रम में घूमते पहिये पर आधारित मनोरंजक गतिविधि भी आकर्षण का केंद्र रही। तत्काल तस्वीर निकालकर देने की व्यवस्था को लेकर विद्यार्थियों में खास उत्साह दिखाई दिया। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम के दौरान 300 से अधिक तस्वीरें निकालकर छात्र-छात्राओं को दी गईं।

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के विजन को युवाओं तक पहुंचाने के लिए इन्वर्टिस विश्वविद्यालय में 'यूपी राइज-2026' का आयोजन किया गया। संवाद, संकल्प, सफलता' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और अपने स्टार्टअप व नए व्यावसायिक विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में 'ब्रह्माबाइट इनोवेशंस एंड टेक प्राइवेट लिमिटेड' ने पहला स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में युवा उद्यमिता, नवाचार और स्वरोजगार पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि बदलते दौर में युवाओं को केवल सरकारी या निजी नौकरी की तलाश तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्हें अपने विचारों को व्यावसायिक मॉडल में बदलकर दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करने चाहिए। मुख्य अतिथि अध्ययन फाउंडेशन फॉर पॉलिसी एंड रिसर्च के सीईओ शशांक सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने विद्यार्थियों से सीधा संवाद करते हुए उन्हें नए भारत की मजबूत नींव बताया। कहा कि युवाओं में नए विचारों और नवाचार की कमी नहीं है। आवश्यकता अपने विचार पर विश्वास करने, सही मार्गदर्शन लेने और उसे धरातल पर उतारने की है।

सक्रिय भागीदारी करने वाले 200 विद्यार्थियों को मिले उपहार

कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन और सक्रिय भागीदारी करने वाले करीब 200 विद्यार्थियों को विशेष उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया।

इनमें डायरी, कपड़े के थैले, टी-शर्ट और डेटा सुरक्षित रखने वाले छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल रहे। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने वाले मेंटर्स और प्रतियोगिता के निर्णायकों को भी स्मृति चिह्न, कॉफी मग और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

आयोजन स्थल को 12 प्रचार पट्टिकाओं, छह बड़े प्रचार पटों, 10 दिशा-सूचक पट्टों और भव्य प्रवेश द्वार से सजाया गया था।

यूपी में कृषि सुदृढ़ीकरण के लिए 160 करोड़ से अधिक मंजूर

- कृषि तकनीकों के प्रसार के लिए 10.59 करोड़ और बीज आधारित मदों के लिए 150 करोड़ रुपये की स्वीकृति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से 160 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की हैं। सरकार की ओर से जारी प्रावधानों के तहत एक ओर प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीकों के इस्तेमाल और प्रसार को बढ़ावा दिया जाएगा, वहीं दूसरी ओर किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के लिए भी बड़ी धनराशि खर्च की जाएगी। सरकार का फोकस कृषि व्यवस्था को आधुनिक बनाने, फसलों की उत्पादकता बढ़ाने और किसानों को बेहतर कृषि संसाधन उपलब्ध कराने पर है। इसके लिए विभिन्न योजनाओं और बीज आधारित मदों के तहत अलग-अलग वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। प्रदेश में कृषि के आधुनिकीकरण और किसानों की आय बढ़ाने के लिए संचालित योजना इंटरवेंशन ऑफ इम्प्रूव्ड एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजीज फॉर ट्रांसफॉर्मिंग एग्रीकल्चर इन उत्तर प्रदेश फॉर एन्हांसिंग फार्मर्स इनकमइ के तहत वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। अनुदान संख्या-11 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1059.82 लाख रुपये यानी करीब 10.59 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इस धनराशि का इस्तेमाल प्रदेश में नवीन और उन्नत कृषि तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने से जुड़ी गतिविधियों में किया जाएगा।

सके साथ ही प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता और बीज मंडारण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 15000.00 लाख रुपये यानी 150 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह राशि अनुदान संख्या-11 के तहत बीज आधारित मदों, बीज मंडार, खाद्यान्न, दलहन और तिलहन बीजों की लागत समेत अन्य संबंधित मदों में खर्च की जाएगी। सरकार का उद्देश्य किसानों को समय पर उन्नतशील बीज उपलब्ध कराना है, ताकि बुआई के समय किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज के लिए परेशानी न हो।

उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव 16 अक्टूबर को

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के सदस्यों के लिए द्विवार्षिक निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर, 2026 को समाप्त हो रहा है। आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन के लिए 29 सितंबर, 2026 को अधिसूचना जारी की जाएगी। 6 अक्टूबर, 2026 नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि होगी। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी तथा 9 अक्टूबर तक अभ्यर्थी अपने नाम वापस ले सकेंगे। श्री रिणवा ने बताया कि 16 अक्टूबर, 2026 (शुक्रवार) को मतदान होगा। मतदान का समय प्रातः 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। मतगणना उसी दिन शाम 5:00 बजे से प्रारंभ होगी।

यूपी में अपराधियों पर और कसेगा शिकंजा, 'स्पेशल 32' संभालेंगे क्राइम सीन मैनेजमेंट

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर 75 जिलों की पुलिस होगी अपग्रेड

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ अब और सख्ती की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को अब वैज्ञानिक जांच की धार देने की कवायद शुरू की गई है। अपराध के बाद घटनास्थल पर छूटे साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और वैज्ञानिक तरीके से जांच को आगे बढ़ाने के लिए पुलिस के 'स्पेशल 32 अफसर' तैयार किए जा रहे हैं। छह बैच में 100-100 अफसरों को 40 दिन का प्रशिक्षण दिए जाने के बाद चयनित इन 32 अधिकारियों को अब फॉरेंसिक साइंस और क्राइम सीन मैनेजमेंट में मास्टर ट्रेनिंग दी जा रही है। आगे इनकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल सभी 75 जिलों में पुलिस की क्राइम सीन मैनेजमेंट क्षमता को मजबूत करने में किया जाएगा। अब वैज्ञानिक तरीके से घटनास्थल को सुरक्षित कर छोटे से छोटे साक्ष्य की पहचान के जरिए जांच को मजबूत आधार मिलेगा। इसके साथ ही अपराधियों के खिलाफ तेजी से सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फॉरेंसिक साइंस (UPSIFS), लखनऊ में 32 अधिकारियों को मास्टर ट्रेनिंग के जरिए विशेष रूप से तैयार कर रहा है। प्रशिक्षण में कृत्रिम घटनास्थल तैयार कर अधिकारियों की व्यावहारिक दक्षता भी परखी जाएगी। छह बैच में 100-100 पुलिस अधिकारियों को पहले ही 40 दिन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इन अधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित किया। अब इन्हीं प्रशिक्षित अधिकारियों में से चयनित टॉप 32 अफसरों को फॉरेंसिक और क्राइम सीन मैनेजमेंट में विशेषज्ञता के अगले स्तर तक ले जाया जा रहा है। यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि यह स्पेशल ट्रेनिंग उन पुलिस अधिकारियों को दी जा रही है, जो प्रशिक्षण के दौरान टॉप पर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार पुलिस अधिकारियों की व्यावहारिक दक्षता को और बेहतर किया जाएगा। इसके लिए कृत्रिम घटनास्थल तैयार कर उनकी क्षमता का परीक्षण भी किया जाएगा।

मतदान : 23 अक्टूबर को मतदान, 29 सितंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू, 27 अक्टूबर को होगी मतगणना

विधान परिषद की 11 सीटों पर चुनाव का कार्यक्रम जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खंड स्नातक और खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में द्विवार्षिक चुनाव-2026 का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि विधान परिषद के खंड स्नातक की पांच और खंड शिक्षक की छह सीटों से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है।

इन सीटों से होने वाली रिक्तियों को भरने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव कार्यक्रम निर्धारित किया है।

आयोग के कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की अधिसूचना 29 सितंबर 2026 को जारी की जाएगी। इसी के साथ नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। 07 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा होगी, जबकि प्रत्याशी 09 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद चुनाव मैदान में रहने वाले प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

23 अक्टूबर को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान

विधान परिषद की इन 11 सीटों के लिए 23 अक्टूबर 2026 को मतदान कराया जाएगा। मतदान सुबह 8 बजे से शुरू होकर शाम 4 बजे तक चलेगा। मतदान के बाद 27 अक्टूबर को मतगणना कराई जाएगी। निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरी निर्वाचन प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 से पहले पूरी करा ली जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में आदर्श आचार संहिता के संबंधित प्रावधान प्रभावी हो गए हैं। हालांकि कानपुर नगर, कानपुर देहात और उन्नाव को इससे बाहर रखा गया है।

इन 11 निर्वाचन क्षेत्रों में होगा चुनाव

द्विवार्षिक निर्वाचन के तहत खंड स्नातक और खंड शिक्षक के कुल 11 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव होना है। इनमें लखनऊ खंड स्नातक से इंजी. अवनीश कुमार सिंह, वाराणसी खंड स्नातक से आशुतोष सिन्हा, आगरा खंड स्नातक से डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह 'गुरु जी', मेरठ खंड स्नातक से दिनेश कुमार गोयल और इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक से डॉ. मान सिंह यादव का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। वहीं, खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ से उमेश द्विवेदी, वाराणसी से लाल बिहारी यादव, आगरा से डॉ. आकाश अग्रवाल (वित्तविहीन), मेरठ से श्रीचन्द शर्मा, बरेली-मुरादाबाद से हरी सिंह ढिल्लो तथा गोरखपुर-फैजाबाद से ध्रुव कुमार त्रिपाठी का कार्यकाल पूरा हो रहा है। चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता भारत निर्वाचन आयोग के 26 दिसंबर 2016 को जारी निर्देशों के अनुरूप प्रभावी रहेगी।

राग बागेश्री की सुरधारा से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता, विदुषी वर्मा को मिला 'स्वामी हरिदास कला रत्न' सम्मान

अखिल भारतीय स्वामी हरिदास संगीत सम्मेलन में शास्त्रीय गायन की प्रभावशाली प्रस्तुति पर हुआ सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन। वृंदावन स्थित ठाकुर राधा कृष्ण बिहारी मंदिर में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय स्वामी हरिदास संगीत सम्मेलन में काशी की प्रतिभाशाली युवा शास्त्रीय गायिका विदुषी वर्मा को उनके उत्कृष्ट संगीत योगदान के लिए 'स्वामी हरिदास कला रत्न' सम्मान से अलंकृत किया गया। ठाकुर राधास्वामी स्नेह बिहारी मंदिर में आयोजित इस प्रतिष्ठित संगीत सम्मेलन में महामंडलेश्वर स्वामी हेमकांत शरण देवाचार्य एवं आचार्य करन कृष्ण गोस्वामी ने उन्हें सम्मानित किया। सम्मेलन में विदुषी वर्मा ने भारतीय शास्त्रीय संगीत की गरिमा को स्वर देते हुए राग बागेश्री में विलंबित एकताल की बंदिश 'करके श्रृंगार' प्रस्तुत की। इसके बाद उन्होंने छोटा ख्याल 'कलमई मातेश्वरी' तथा तराना की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रस्तुत भजन 'म्हारे घर...' ने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उनकी भावपूर्ण और सुरमयी प्रस्तुति को उपस्थित संगीत प्रेमियों एवं रसिक श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम में तबले पर ओम प्रकाश पांडेय तथा हारमोनियम पर आनंद चौबे ने उत्कृष्ट संगति प्रदान कर प्रस्तुति को और अधिक प्रभावशाली बना दिया। सम्मेलन में विदुषी वर्मा के सम्मान को काशी की समृद्ध संगीत परंपरा और भारतीय शास्त्रीय कला के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा गया।

मुरादाबाद, कांठ, अमरोहा और संभल के गांव होंगे महायोजना में शामिल, आवासीय क्षेत्र के साथ सड़क

117 गांवों के विकास का खाका तैयार, शासन को भेजी गई एमडीए की महायोजना

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) की महायोजना में शामिल 117 गांवों के सुनियोजित विकास की तैयारी तेज हो गई है। इन गांवों में आने वाले वर्षों में किस तरह का विकास किया जाएगा, इसके लिए महायोजना और जोनल प्लान तैयार कर शासन को मंजूरी के लिए भेज दिया गया है। प्रस्ताव में आवासीय क्षेत्रों के विकास के साथ शिक्षण संस्थानों, चिकित्सा सुविधाओं, व्यावसायिक गतिविधियों और अन्य संस्थागत उपयोग के लिए भूमि के उपयोग में बदलाव का प्रावधान किया गया है।

शासन से मंजूरी मिलने के बाद इन गांवों में विकास कार्य महायोजना के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार कराए जा सकेंगे। एमडीए के अधिकारियों के अनुसार, प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिलने में करीब छह महीने का समय लग सकता है। मंजूरी मिलने के बाद इन क्षेत्रों में भवन निर्माण और अन्य विकास गतिविधियों के लिए निर्धारित नियम लागू हो जाएंगे। इससे गांवों के अनियोजित विस्तार के बजाय भविष्य की आबादी और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास को दिशा देने में मदद मिलेगी।

चार जिलों के 117 गांव महायोजना में शामिल

एमडीए के उपाध्यक्ष अनुभव सिंह ने बताया कि महायोजना में कुल 117 गांवों को शामिल किया गया है। इनमें मुरादाबाद के 34, कांठ के 18, अमरोहा के 16 और संभल के तीन गांव शामिल हैं। इन क्षेत्रों के लिए तैयार किए गए प्रस्ताव में अलग-अलग स्थानों के मौजूदा स्वरूप और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भूमि उपयोग निर्धारित करने की योजना बनाई गई है। इससे यह तय होगा कि किसी क्षेत्र में आवासीय गतिविधियां होंगी या वहां संस्थान, चिकित्सा केंद्र, बाजार अथवा अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

जोनल प्लान में सड़कों का भी प्रस्ताव

महायोजना के साथ ही अलग-अलग क्षेत्रों के लिए जोनल प्लान भी तैयार किया गया है। इसे भी शासन को मंजूरी के लिए भेजा गया है। जोनल प्लान में सेक्टर स्तर पर सड़कों का खाका तैयार किया गया है। कई स्थानों पर 18 मीटर चौड़ी सड़कों का प्रावधान रखा गया है। इसके अलावा अलग-अलग जोन में पार्क, व्यावसायिक गतिविधियों के लिए क्षेत्र और सार्वजनिक सुविधाओं के लिए भूमि निर्धारित करने का प्रस्ताव है। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद भविष्य में बढ़ने वाली आबादी और यातायात के दबाव को ध्यान में रखकर सड़क और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा सकेगा।

66 प्रस्ताव के अनुसार, जरूरत वाले क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं और शिक्षण संस्थानों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा सकेगा। वहीं बाजार और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी नियोजित क्षेत्र विकसित करने की योजना है। हरित क्षेत्र और पार्कों के लिए भूमि का प्रावधान भी जोनल स्तर पर रखा गया है।

राम मंदिर में 16 मीटर का स्तंभ तैयार

500 साल के संघर्ष के बलिदानी रामभक्तों की याद में बनाया

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर परिसर में 500 साल के संघर्ष में बलिदान हुए रामभक्तों की स्मृति में बनाया गया स्मारक स्तंभ अब लोकार्पण के लिए तैयार है। लाल ग्रेनाइट से बने इस स्तंभ की ऊंचाई 16 मीटर है। मंदिर परिसर में यह स्तंभ राम जन्मभूमि आंदोलन और इससे जुड़े बलिदानों की स्मृति को समर्पित है। स्तंभ की गोलाई करीब 4 फीट है, जबकि धरती से जुड़े हिस्से की गोलाई साढ़े 4 फीट रखी गई है। इसके सबसे ऊपर कांस्य से तीर्थ क्षेत्र का लोगो लगाया गया है। स्मारक के शीर्ष पर लगाया गया कांस्य का लोगो 10 फीट 6 इंच ऊंचा और 8 फीट 6 इंच गोलाई में है। स्तंभ को रात में भी आकर्षक बनाने के लिए विद्युत प्रकाश की विशेष व्यवस्था की गई है। यह स्मारक उन रामभक्तों की स्मृति में तैयार किया गया है, जिन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के लिए चले लंबे संघर्ष में अपना जीवन समर्पित किया। अब निर्माण पूरा होने के बाद इसे लोकार्पण के लिए तैयार कर लिया गया है।

फास्ट न्यूज

अलीगढ़ में महिला से रेप करने वाला गिरफ्तार

अलीगढ़। अलीगढ़ के महुआखेड़ा क्षेत्र में ऑटो में महिला को बैठाकर दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने सोमवार देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मुकदमा दर्ज होने के करीब छह घंटे के अंदर हुई गिरफ्तारी की जानकारी पुलिस ने रात करीब 11:30 बजे दी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में इस्तेमाल ऑटो भी बरामद किया है। मामले में आरोपी के साथी कृष्ण की तलाश की जा रही है।

एएमयू में छात्रसंघ चुनाव की मांग

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) में छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर यासिर फहाद की भूख हड़ताल मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी है। यासिर डक पॉइंट पर बैठा है। उसका कहना है कि जब तक छात्रसंघ चुनाव की तारीख घोषित नहीं होती और चीफ इलेक्शन कमिश्नर नियुक्त नहीं किया जाता, तब तक वह भूख हड़ताल खत्म नहीं करेगा। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन ने यासिर के निलंबन को छात्रसंघ चुनाव की मांग से अलग मामला बताया है। AMU के प्रॉक्टर प्रो. नावेद खान के अनुसार, यासिर को 21 सितंबर को निलंबित किया गया था।

मुरादाबाद के जिज्ञासा अस्पताल में महिला की मौत

मुरादाबाद। मुरादाबाद के जिज्ञासा अस्पताल में इलाज के दौरान 22 साल की महिला की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। उन्होंने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही और 70 हजार रुपए से ज्यादा लेने का आरोप लगाया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाकर मामला शांत कराया। कुंदरकी निवासी शीतल (22) पत्नी नितिन की तबीयत कई दिनों से खराब थी। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें 19 सितंबर को रामपुर रोड स्थित जिज्ञासा अस्पताल में भर्ती कराया था।

गौचर भूमि कब्जामुक्त कराओ, नशे पर लगे रोक : महामंडलेश्वर

दाऊजी महाराज के दर्शन के बाद बोले स्वामी गोपाल नंद भारती

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। पंचायती अखाड़ा निरंजनी के महामंडलेश्वर स्वामी गोपाल नंद भारती ने मंगलवार को बलदेव पहुंचकर श्री दाऊजी महाराज के दर्शन किए।

इसके बाद प्रेसवार्ता में उन्होंने ब्रज की समस्याओं को लेकर प्रशासन और जिम्मेदारों पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि गौचारण भूमि और सरकारी नालों पर अवैध कब्जों के कारण गोवंश परेशान है। सरकारी भूमि को चिन्हित कर तत्काल कब्जामुक्त कराया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई की मांग की। महामंडलेश्वर ने बलदेव क्षेत्र में शराब और नशे के बढ़ते कारोबार पर भी चिंता जताई। कहा कि नशा समाज के लिए खतरा बन रहा है और सरकार को इस पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए

सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रज की इन समस्याओं को लेकर जल्द ही जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराया जाएगा। साथ ही सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने और नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग रखी जाएगी।

व्यापारियों ने सुबह बाजार रखा बंद, एत्मादपुर में 5वें दिन भी धरना जारी

आगरा में यूजीसी के विरोध में राजपुर चुंगी में प्रदर्शन

UGC बिल के विरोध में राजपुर चुंगी में पैदल मार्च करते लोग।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में UGC बिल के विरोध में सवर्ण समाज का रोष थम नहीं रहा। मंगलवार को शमसाबाद रोड, राजपुर चुंगी क्षेत्र में लोगों ने पैदल मार्च निकाला। सुबह बाजार बंद रखकर व्यापारियों ने UGC बिल के खिलाफ विरोध जताया। व्यापारियों ने धरना भी दिया। सामाजिक कार्यकर्ता गोविंदा पाराशर को हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। इस पर उन्होंने और उनके समर्थकों ने घर पर ही UGC के बैनर लहराए और नारे लगाए। वहीं, एत्मादपुर में UGC रोल बैक की मांग को लेकर 5वें दिन भी धरना जारी रहा। यहां पिछले 22 दिनों में 3 बड़े प्रदर्शन हो

चुके हैं। UGC बिल के विरोध में आगरा में विरोध बढ़ता जा रहा है। एत्मादपुर क्षेत्र के बाद अब शमसाबाद, राजपुर चुंगी बाजार के व्यापारियों ने UGC रोल बैक को लेकर प्रदर्शन किया है। मंगलवार को सुबह लगभग 11 बजे यहां के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। इसके साथ ही धरना देते हुए UGC बिल को लेकर विरोध जताया। व्यापारियों ने इंद्रिरापुरम चौराहा से होटल अमर तक जुलूस निकाला। हाथों में बैनर लेकर UGC रोल बैक की मांग उठाई। यहां सामाजिक कार्यकर्ता पवन समाधिया के नेतृत्व में व्यापारियों ने प्रदर्शन किया। सुबह के समय राजपुर चुंगी क्षेत्र का बाजार नहीं खुला। वहीं, प्रदर्शन में शामिल हो आ रहे सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद पाराशर को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है। कई पुलिसकर्मी उनके आवास पर तैनात कर दिए गए हैं।

एत्मादपुर में थम नहीं रहा विरोध

यहां सवर्ण समाज संगठन और सिस्टम सुधार संगठन का 5वें दिन भी धरना जारी है। एत्मादपुर के संवाई गांव में 18 सितंबर से UGC बिल के विरोध में धरना चल रहा है। मंगलवार को भी संगठन के अध्यक्ष अंशुमन ठाकुर के नेतृत्व में सुबह से ही लोग धरने पर बैठे हैं। बताया जा रहा है कि UGC रोल बैक की मांग को लेकर यहां आंदोलन को धार देने के लिए रात के समय लोगों से जनसंपर्क किया जा रहा है। उनसे इस आंदोलन में जुड़ने की अपील की जा रही है। बता दें कि एत्मादपुर क्षेत्र में पिछले 22 दिनों में 3 बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। सवर्ण समाज के लोग सड़कों पर उतरकर UGC बिल का विरोध जता चुके हैं।

एमआईईटी में 'स्मृति 1.0' एल्युमनी इंटरेक्शन सेशन आयोजित

टीसीएस के आईटी एनालिस्ट शिवम गर्ग ने छात्रों को बताए प्लेसमेंट के गुर

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी के सीएसई विभाग के इकोस क्लब की ओर से एल्युमनी इंटरेक्शन सेशन स्मृति 1.0 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को इंडस्ट्री की आवश्यकताओं, प्लेसमेंट प्रक्रिया और कॉरपोरेट करियर की तैयारियों से रूबरू कराना रहा। कार्यक्रम में सीएसई विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) विकास श्रीवास्तव, एल्युमनी एसपीओसी प्रियंका सहित विभाग के शिक्षक एवं स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विद्यार्थियों को तकनीकी एवं प्रोफेशनल स्किल्स विकसित करने तथा बदलती इंडस्ट्री जरूरतों के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता शिवम गर्ग, आईटी एनालिस्ट एवं रिक्रूटर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने विद्यार्थियों को

भर्ती प्रक्रिया, इंडस्ट्री की अपेक्षाओं, प्लेसमेंट अवसरों और कैंपस से कॉरपोरेट क्षेत्र में प्रवेश के लिए जरूरी कौशलों की जानकारी दी। इसके बाद विद्यार्थियों ने सवाल पूछकर करियर और प्लेसमेंट से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए क्विज का भी आयोजन किया गया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सीएसई विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) विकास श्रीवास्तव एवं एल्युमनी एसपीओसी प्रियंका ने मुख्य वक्ता शिवम गर्ग को विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने के लिए सम्मानित किया। आयोजकों के अनुसार, 'स्मृति 1.0' विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं और रोजगार की तैयारी को समझने में उपयोगी रहा।

टक्कर के बाद वाहन में दोनों फंसे, गांववालों ने निकाला, आगरा से घर आ रहे थे

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार कार, 2 दोस्तों की हुई मौत

टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसका अगला हिस्सा पूरी तरह से खत्म हो गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर टंकी चौराहे के पास सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों युवक उसमें फंस गए। हादसा रात करीब 11:30 बजे हुआ। निबोहरा थाना क्षेत्र के

सलेमपुर धनगर गांव निवासी गजेंद्र (28) पुत्र अजब सिंह अपने दोस्त जोगेंद्र उर्फ जुगनू (32) पुत्र चरन सिंह के साथ कार से आगरा से घर लौट रहे थे। दोनों किसी काम से आगरा आए थे। बताया गया कि घर लौटते समय कार टंकी चौराहे के पास पहुंची। इसी दौरान कार अचानक अनियंत्रित हो गई। चालक ने कार को संभालने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार के कारण कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के

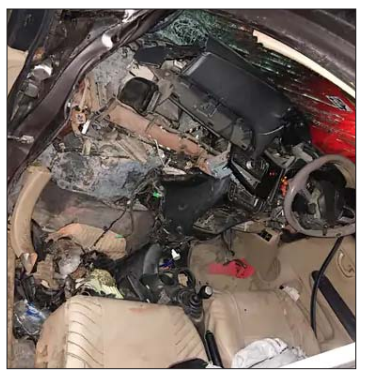

लोग मौके पर पहुंचे और डौकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों युवकों को कार से बाहर निकाला। इसके बाद दोनों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों युवकों के परिजन अस्पताल पहुंच गए। मौत की खबर सुनकर परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी मातम पसरा हुआ है। पुलिस के अनुसार, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और चालक को नींद की झपकी आने की आशंका सामने आई है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी में 18 आईपीएस ...

अयोध्या में क्षेत्रीय अभिसूचना के SP संजय राय को लखनऊ भेजा गया है। उन्हें CID का SP बनाया गया है। 1 जुलाई, 2026 को 29 PPS अफसरों को प्रमोशन देकर IPS कैडर आवंटित किया गया था। इसके बाद इन अफसरों को नई पोस्टिंग का इंतजार था। बीते दिनों इनमें से कुछ अफसरों को अलग-अलग पदों पर तैनाती दी गई। अब 12 और IPS अफसरों को नई जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, इन सभी को फिलहाल साइड पोस्टिंग दी गई है। IPS संजीव सुमन को UPSIFS, लखनऊ का SP बनाया गया है। करीब तीन साल पहले मुजफ्फरनगर के SSP रहते संजीव सुमन का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह 'भोले की बारात चली' गाने पर कांवड़ियों के साथ डांस करते दिखे थे। संजीव सुमन 2014 बैच के IPS अधिकारी हैं। मूल रूप से बिहार के खगड़िया जिले के रहने वाले हैं।

एससी/एसटी एक्ट ...

तो उससे प्रभावित होने वाला दूसरे वर्ग का व्यक्ति कहता है—"इस सुविधा की वजह से मेरे साथ भेदभाव हो रहा है।" जैन ने इस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में कम का भी जिक्र किया और कानूनी योजना के तहत मुआवजा बांटने के तरीके पर सवाल उठाए। राज्यसभा सदस्य के एक भाषण का हवाला देते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि मुआवजे के तौर पर 493 करोड़ रुपए बांटे गए थे और कहा कि ऐसी व्यवस्था FIR दर्ज करने को बढ़ावा दे सकती है। मार्च 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि SC/ST एक्ट के दुरुपयोग को रोकने के लिए FIR दर्ज करने से पहले अनिवार्य प्रारंभिक जांच की जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि सरकारी कर्मचारियों की गिरफ्तारी के लिए सक्षम अधिकारी की अनुमति जरूरी होगी और विशेष परिस्थितियों में आरोपी को अग्रिम जमानत दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए। इसके जवाब में संसद ने 'अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम, 2018' पारित किया। इस संशोधन के जरिए एक्ट में धारा 18A जोड़ी गई, जिसने कोर्ट की अनिवार्य की गई प्रारंभिक जांच और गिरफ्तारी से पहले अनुमति की शर्तों को खत्म कर दिया। अग्रिम जमानत पर रोक को फिर से बहाल कर दिया।

धार्मिक वजह से ...

कानून में वंदे मातरम के गायन को रोकने या गायन में जानबूझकर बाधा डालने को अपराध बनाया गया है। यह सुनवाई गायक टीएम कृष्णा की याचिका पर हुई। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि अंतिम चार पैरा हिंदू देवताओं के प्रति भक्ति का आह्वान करते हैं। इन पैराग्राफ को गाना अनिवार्य बनाना देश के धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन है। वंदे मातरम को कानून के दायरे में लाने वाला संशोधन बिल 29 जुलाई को राज्यसभा और 30 जुलाई को लोकसभा से पास हुआ था। इसके बाद 6 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने पर यह कानून बन गया। आज इसे बने 47 दिन हो चुके हैं। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और कृष्णा के वकील सीनियर एडवोकेट डॉ एस मुरलीधर के बीच तीखी बहस भी हुई। संविधान के तहत निर्णय लेने की प्रक्रिया पर मुरलीधर की दलील के जवाब में मेहता ने 'नक्सली' शब्द का इस्तेमाल किया। इसके बाद जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि किसी व्यक्ति पर आतंकवादी होने का आरोप हो, तब भी संविधान के तहत उसके अधिकार बने रहते हैं। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत घोषित किया था। लंबे समय तक इसके अपमान पर कोई अलग कानून नहीं था, लेकिन 2026 के मानसून सत्र में केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम' बनाया। इस कानून के तहत 'वंदे मातरम' के गायन को जानबूझकर रोकने, इसमें बाधा डालने या इसका सार्वजनिक अपमान करने को दंडनीय अपराध माना गया है। ऐसा करने पर 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है। इस बार 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार लाल किले की प्राचीर से 'वंदे मातरम' के पूरे 6 छंद गाए गए। गृह मंत्रालय ने 9 जुलाई को सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' के गायन और बजाने को लेकर नए निर्देश जारी किए थे। इसमें दोनों के सही बोल, उच्चारण और तय प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा गया था। निर्देशों के मुताबिक, अगर किसी कार्यक्रम में वंदे मातरम और जन गण मन दोनों गाए या बजाए जाते हैं, तो पहले वंदे मातरम और उसके बाद राष्ट्रगान होगा। अगर किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश का अपना राज्य गीत भी है, तो पहले राज्य गीत फिर वंदे मातरम और अंत में जन गण मन रहेगा।

नंदीग्राम उपचुनाव लड़ ...

प्रधान के वकील ने कहा कि उन्हें 18 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। उनके वकील अयान भट्टाचार्य ने कहा था कि वह कांथी कोर्ट के आदेश को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। मिलन प्रधान ने सोमवार को छह मामलों में पुलिस की जबरन कार्रवाई से सुरक्षा की मांग की थी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि इनमें से 5 मामले पिछली सरकार ने वापस ले लिए थे। राज्य सरकार ने यह भी बताया कि बाकी एक मामले में मिलन प्रधान वांटेड नहीं हैं। प्रधान के वकील ने कोर्ट में कहा कि वह उन 5 मामलों में राहत नहीं मांग रहे हैं, जिनमें प्रधान पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। ये मामले 2007 में नंदीग्राम में जमीन अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के दौरान दर्ज हुए थे। प्रधान के वकील ने आरोप लगाया कि उपचुनाव के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले TMC धड़े से समर्थन मिलने के बाद प्रधान को गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर, एडिशनल एडवोकेट जनरल ने कहा कि प्रधान की गिरफ्तारी निचली अदालत की तरफ से जारी वारंट के आधार पर हुई है। यह वारंट 2007 के एक आपराधिक मामले में जारी हुआ था और 2021 से लंबित था। उन्होंने कहा कि किसी इलाके में चुनाव होने पर चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार संबंधित पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी होती है कि मतदान से पहले सभी गिरफ्तारी वारंट पर कार्रवाई करे। एडिशनल एडवोकेट जनरल ने बताया कि इस मामले में जिन अन्य आरोपियों के खिलाफ वारंट लंबित थे, उन्हें भी गिरफ्तार किया गया है। प्रधान के वकील ने पुलिस से यह जानकारी देने की मांग की कि 11 मामलों के अलावा उनके खिलाफ कोई और आपराधिक मामला दर्ज है या नहीं। नंदीग्राम सीट मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 2026 के विधानसभा चुनाव में जीती थी। उन्होंने कोलकाता की भवानीपुर सीट से भी जीत दर्ज की। इसके बाद सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम सीट छोड़ दी। चुनाव आयोग ने इसी सीट पर उपचुनाव की घोषणा की। नंदीग्राम का पश्चिम बंगाल की राजनीति में खास स्थान रहा है। 2007 में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले जमीन अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में सुवेंदु अधिकारी ने मदद की थी।

6 महीने में 1 लाख ...

प्रयागराज में 31 अगस्त से प्रतियोगी छात्र पुरानी नियमावली और पुराने पैटर्न से भर्ती परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी तीन मुख्य मांगें हैं- पुरानी नियमावली की बहालीः भर्ती प्रक्रिया में नए नियमों और पात्रता शर्तों का कड़ा विरोध करते हुए पुरानी नियमावली और परीक्षा पैटर्न को लागू रखने की मांग। 20,000 से अधिक पदों पर भर्तीः अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में खाली पड़े 20 हजार से ज्यादा पदों को पुरानी नियमावली के तहत जल्द विज्ञापित कर भरा जाए। दो अतिरिक्त अवसर (अटेंप्ट): नए नियमों से प्रभावित हो रहे छात्रों को पुराने नियमों के आधार पर कम से कम दो अतिरिक्त मौके दिए जाएं।

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार सोना जीता, श्रीलंका को 147 रन से हराया

एशियन गेम्स-2026 में भारत को पहला गोल्ड

जीत

निशिन (जापान), एजेंसी

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीत लिया है। टीम ने मंगलवार को फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराया। भारत ने 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 216 रन बनाए। यह एशियन गेम्स में भारतीय विमेंस टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। 217 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई।

थर्ड प्लेस के मैच में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता है।इस गोल्ड मेडल के साथ भारत एशियन गेम्स-2026 की मेडल टैली में टॉप-10 में पहुंच गया है। भारत के खाते में अब तक 1 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल हैं। श्रीलंका को 14.2 ओवर में नौवां झटका लगा। मिताली अयोध्या 5 गेंदों पर बिना खाता खोले रन आउट हुईं। कौशानी नुथ्यांगना के मिडविकेट की ओर शॉट खेलने के बाद दोनों ने एक रन पूरा किया, लेकिन दूसरे रन के लिए मिताली क्रीज से बाहर निकल गईं। वापसी के दौरान वह फिसल गईं और ऋचा घोष ने गिल्लियां बिखेर दीं।

श्रीलंका को 13.1 ओवर में आठवां झटका लगा। सुगंधिका कुमारी 12 गेंदों पर 3 रन बनाकर आउट हुईं।

श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर ही खेल सकी। चामरी अटापट्टू ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए, जबकि कौशिनी नुथ्यांगना ने 14 और कविशा दिलहारी ने 11 रन बनाए।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी को भी 2-2 विकेट मिले। श्रीलंका के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

मंधाना ने 79 रन की पारी खेली

भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 79, ऋचा घोष ने नाबाद 49 और शेफाली वर्मा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना और शेफाली के बीच पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने इस पारी के दौरान विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार रन भी पूरे किए।

श्रीलंका की ओर से सुगंधिका कुमारी, कविशा दिलहारी और चामुडी प्रभोदा ने एक-एक विकेट लिया।

भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार गोल्ड जीता

भारत ने एशियन गेम्स 2026 में विमेंस क्रिकेट का गोल्ड मेडल जीत लिया। श्रीलंका 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रेयंका पाटिल ने कौशानी नुथ्यांगना को बोल्ड कर भारत को जीत दिलाई। श्रेयंका की फुल और स्टंप्स पर आती गेंद पर कौशानी आगे निकलकर शॉट खेलने गईं, लेकिन गेंद बल्ले को चकमा देकर सीधे मिडिल स्टंप पर जा लगी। इसके साथ ही भारतीय खिलाड़ियों ने मैदान पर तिरंगा लहराकर गोल्ड मेडल का जश्न मनाया।

उज्बेकिस्तान से हारा भारत

सातवें स्थान पर खिसका, विमेंस टीम तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली। समरकंद में चल रहे 46वें चेस ओलिंपियाड के छठे राउंड में भारतीय ओपन टीम को उज्बेकिस्तान से 1.5-2.5 से हार मिली। इस हार के बाद भारत 10 अंकों के साथ सातवें स्थान पर खिसक गया। वहीं, महिला टीम ने अमेरिका को 3-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच तीन बोर्ड पर मुकाबले ड्रॉ रहे। तीसरे बोर्ड पर निहाल सरीन और नोडिरबेक याकुब्बोएव का मुकाबला निर्णायक रहा। निहाल के पास शुरुआत में समय और स्थिति दोनों में बढ़त थी, लेकिन 38वें मूव में उन्होंने क्वीन गंवा दी। याकुब्बोएव ने इस गलती का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। उनकी जीत से उज्बेकिस्तान ने भारत को 2.5-1.5 से हराया और 12 अंकों के साथ टूर्नामेंट में अकेले टॉप पर पहुंच गया। भारत ने छठे राउंड से पहले लगातार पांच मुकाबले जीते थे। टीम 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर थी। उज्बेकिस्तान से हार के बाद भारत सातवें स्थान पर पहुंच गया। चीन और आर्मेनिया 11-11 अंकों के साथ उसके ऊपर हैं। महिला टीम ने अमेरिका के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की। सविता श्री और वंतिका अग्रवाल ने भारत के लिए जीत हासिल की, जबकि दो मुकाबले ड्रॉ रहे। इस जीत से भारतीय टीम 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई। महिला सेक्शन में चीन और कजाकिस्तान 12-12 अंकों के साथ टॉप पर हैं। भारत उनसे दो अंक पीछे है। पांचवें राउंड में पोलैंड से हार के बाद भारतीय टीम आठवें स्थान पर खिसक गई थी।

5-5 ओवर के मैच में भारत ने बनाए 32 रन, सिर्फ 2 रन से जीत मिली

टीम इंडिया 41वीं रैंक के जापान से हारते-हारते बची

सानो (जापान), एजेंसी

लगातार दो बार की टी-20 वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया मंगलवार को 41वीं रैंकिंग वाले जापान के खिलाफ हारते-हारते बची। एशियन गेम्स में मेंस क्रिकेट मुकाबले शुरू होने से पहले भारत और जापान के बीच यह मुकाबला रखा गया था।

जापान के सानो इंटरनेशनल ग्राउंड पर बारिश के कारण मुकाबला 5-5 ओवर का कर दिया गया था। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 4 विकेट पर 32 रन बनाए। जवाब में जापान 5 ओवर में 3 विकेट खोकर 30 रन ही बना सका। जापानी टीम को आखिरी ओवर में 8 रन की जरूरत थी, लेकिन भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल ने 5 रन ही दिए। इस जीत के साथ भारत ICC टी-20 टीम रैंकिंग में इंग्लैंड को पीछे छोड़कर फिर से नंबर-1 बन गया है।

यह टीम इंडिया का 5-5 ओवर का पहला मैच है। आमतौर पर बारिश के कारण मैच के ओवर कम किए जाते हैं। हालांकि, टी-20 इंटरनेशनल में 5-5 ओवर से कम का मैच नहीं खेला जा सकता। इससे पहले भारत 9-9 और 11-11 ओवर के मैच खेल चुका है। भारत टी-20 इंटरनेशनल में सानो में 2 रन की जीत के साथ 200 जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बन गई है। इसमें सुपर ओवर से मिली जीत भी शामिल हैं। भारत ने यह उपलब्धि जापान के खिलाफ हासिल की। जापान को आखिरी बॉल पर चौके की जरूरत थी। लेकिन एलेक्स शिराई-पैटमोर रन नहीं ले सके। हालांकि, टीम को बाई का रन मिला।

ढाई घंटे देरी से शुरू हुआ मुकाबला

बारिश के कारण मैच ढाई घंटे की देरी से शुरू हुआ। इसलिए ओवर्स में कटौती की गई। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने सबसे ज्यादा 16 रन बनाए। ओपनर अभिषेक शर्मा जीरो, संजू सैमसन 9 रन और ईशान किशन 3 रन पर आउट हुए। इस मुकाबले का आयोजन दोनों देशों के डिप्लोमेटिक रिलेशन के 75 साल पूरे होने के अवसर पर किया जा रहा है।

मनोरंजन

एक्टर को गणपति के चरण स्पर्श करना सिखाते दिखीं मैनेजर, दुपट्टे से पोंछा पसीना

शाहरुख खान, गौरी और सुहाना के साथ लालबागचा राजा पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी

शाहरुख खान ने गणेशोत्सव के मौके पर मुंबई के प्रसिद्ध 'लालबागचा राजा' पंडाल पहुंचकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके साथ पत्नी गौरी खान, बेटी सुहाना खान और मैनेजर पूजा ददलानी भी मौजूद थीं।

इस दौरान शाहरुख को उनकी मैनेजर पूजा ददलानी गणपति के चरण स्पर्श करने का तरीका सिखाती दिखीं। वहीं गर्मी के चलते शाहरुख मैनेजर के दुपट्टे से पसीना पोंछते दिखाई दिए। लालबागचा राजा के दर्शन के बाद शाहरुख ने टी-सीरीज ऑफिस जाकर भी भगवान गणेश की पूजा की। हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर आयोजित 'AskSRK' सेशन के दौरान शाहरुख खान ने फैंस के साथ अपने घर के गणेशोत्सव का अनुभव शेयर किया था। एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने बताया था कि उनके घर में पत्नी गौरी आरती और पूजा करती हैं। रात में विसर्जन किया जाता है। उन्होंने बताया था कि इस दौरान बच्चे और दोस्त एक साथ जुटते हैं और यह बहुत साधारण और फैमिली टाइम होता है। इससे पहले मुंबई में अंबानी परिवार के घर 'एंटीलिया' में आयोजित गणेशोत्सव में शामिल होने के लिए शाहरुख खान पहुंचे थे।वहां शाहरुख और रणवीर ने एक साथ गणपति की आरती की थी। दोनों एक्टर्स नीता अंबानी के साथ खड़े होकर पूजा-अर्चना में शामिल हुए। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान जल्द ही निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की रिलीज के आसपास 'अवेंजर्सः डूम्सडे' और 'ड्यून्सः पार्ट थ्री' जैसी बड़ी हॉलीवुड फिल्में भी रिलीज होने वाली हैं।

भीड़ के बीच सख्त सुरक्षा में किए दर्शन

लालबागचा राजा पंडाल पहुंचने पर शाहरुख खान को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दर्शन के दौरान शाहरुख नीले रंग के कुर्ते में नजर आए। वहीं उनकी बेटी सुहाना खान हरे रंग के पारंपरिक परिधान और पत्नी गौरी खान पीले रंग के एथनिक आउटफिट में दिखीं।

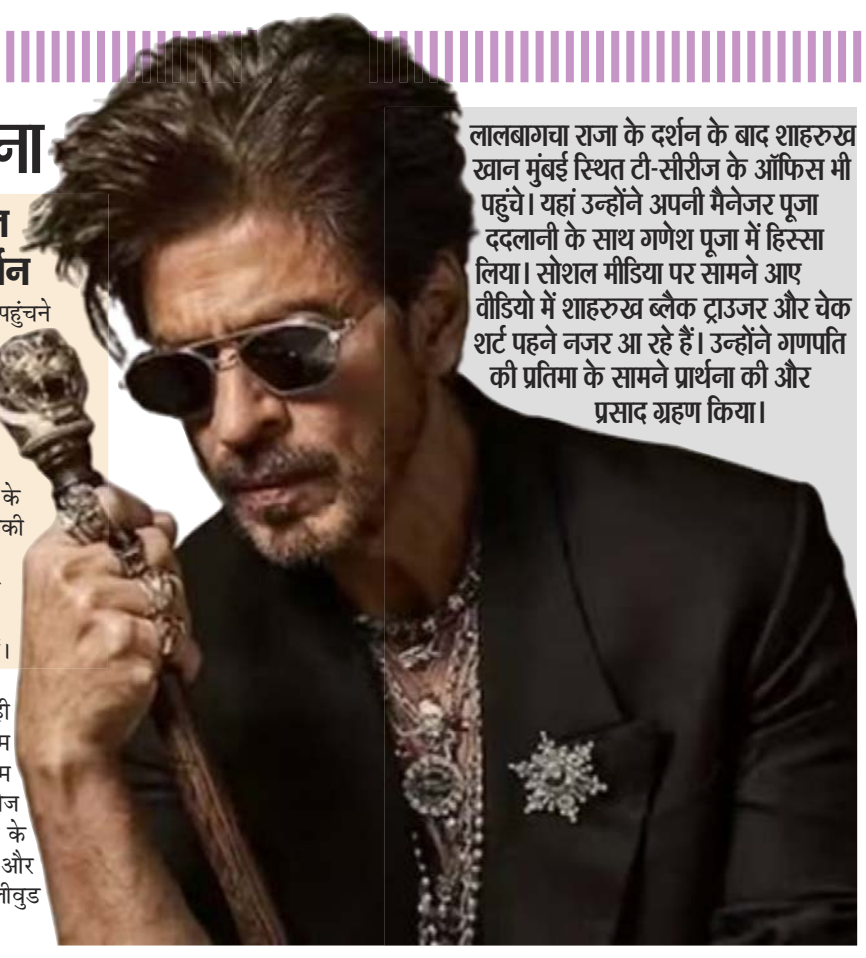

लालबागचा राजा के दर्शन के बाद शाहरुख खान मुंबई स्थित टी-सीरीज के ऑफिस भी पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी मैनेजर पूजा ददलानी के साथ गणेश पूजा में हिस्सा लिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में शाहरुख ब्लैक ट्राउजर और चेक शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। उन्होंने गणपति की प्रतिमा के सामने प्रार्थना की और प्रसाद ग्रहण किया।

नगालैंड की फिल्म 'अंग' को ऑस्कर में डायरेक्ट एंट्री

धर्म परिवर्तन और परंपराओं के खोने की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी

नगालैंड की फिल्म 'अंग' को 2027 के ऑस्कर अवॉर्ड्स की 'इंटरनेशनल फीचर फिल्म' कैटेगरी में डायरेक्ट एंट्री मिल गई है। यह इस साल भारत की ओर से ऑस्कर जाने वाली दूसरे फिल्म होगी।

इसके पहले मराठी फिल्म 'गोंधल' को भारत की ऑफिशियल एंट्री मिली थी। दरअसल, 'अंग' ने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (TIFF) 2026 में प्लेटफॉर्म प्राइज जीता है। इसी प्राइज ने फिल्म को ऑस्कर में डायरेक्ट एंट्री दिलाई।

नगा फिल्ममेकर थेजा रियो की यह फिल्म धर्म परिवर्तन से अपनी संस्कृति बचाने की कोशिश करते एक आदिवासी व्यक्ति की कहानी है। यह इस साल TIFF में चुनी गई एकमात्र भारतीय फिल्म थी।

अंग कहानी 1960 के दशक के नगालैंड की है, जहां एक अमेरिकी मिशनरी के आने के बाद गांव की तस्वीर बदलने लगती है। अधिकांश ग्रामीण धर्म बदल लेते हैं और अपनी पुरानी परंपराओं को छोड़ देते हैं, जिससे गांव खाली सा हो जाता है।

आदिवासी मुखिया (अंग्बा) है जो अपनी संस्कृति और परंपराओं को बचाए रखना चाहता है, जबकि उसका बेटा इस नई जीवनशैली और धर्म की ओर आकर्षित होने लगता है। 'अंग' को TIFF की प्लेटफॉर्म जूरी ने उसकी अलग सोच, बेहतरीन मेकिंग और कहानी के लिए सराहा। इस अवॉर्ड के तहत मेकर्स को 20,000 कनाडाई डॉलर का पुरस्कार मिला है।

डायरेक्टर बोले- ये कौनसा तरीका है, 3 दिन में री-राइट किया कैरेक्टर

अक्षय खन्ना ने शूटिंग से 7 दिन पहले 'दृश्यम-3' छोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

'दृश्यम 3' के लेखक और निर्देशक अभिषेक पाठक ने फिल्म की शूटिंग शुरू होने से ठीक सात दिन पहले अक्षय खन्ना के अचानक बाहर होने पर बातचीत की है। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में अभिषेक पाठक ने बताया कि अजय देवगन के साथ अक्षय खन्ना के सीन शूट होने से हफ्ते भर पहले उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया था।

इसके बावजूद मेकर्स ने शूटिंग टालने के बजाय तीन दिन के भीतर स्क्रिप्ट दोबारा लिखी। अक्षय खन्ना के रोल को नए कैरेक्टर में बदलकर जयदीप अहलावत को कास्ट किया गया। अजय देवगन स्टारर यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिषेक पाठक ने बताया कि अक्षय खन्ना के अचानक फिल्म छोड़ने से वे खुश नहीं थे। उन्होने कहा की फिल्म छोडने का ये कौनसा तरीका हुआ? अजय देवगन के साथ उनके सीन्स की शूटिंग में सिर्फ सात दिन बचे थे। इसके बावजूद उन्होंने शूटिंग शेड्यूल आगे नहीं बढ़ाया। अभिषेक के मुताबिक, 200 से ज्यादा क्रू मेंबर्स इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और यह उनके रोजगार का सवाल था। इसके अलावा फिल्म का सेट तैयार हो चुका था और दूसरे कलाकारों की डेट्स भी लॉक थीं। ऐसे में शूटिंग टालने से बड़ा आर्थिक नुकसान होता, इसलिए उन्होंने दो-तीन दिन का समय लेकर पूरे कैरेक्टर को री-राइट किया।

'नकारात्मक नजरिए से क्यों, यह अलौकिक शक्ति का संकेत'

कैटरीना कैफ के बढ़े हुए वजन की ट्रोलिंग पर परिणीति चोपड़ा का रिएक्शन

नई दिल्ली। पिछले साल नवंबर में कटरीना कैफ ने एक बेबी ब्वॉय को जन्म दिया। मां बनने के बाद कटरीना लाइमलाइट से दूर रहती हैं। हालांकि, बीते दिनों नीता और मुकेश अंबानी की गणेश चतुर्थी पूजा में एक्ट्रेस स्पॉट हुईं।

इस दौरान कटरीना कैफ को अपने बढ़े हुए वजन के लिए जमकर ट्रोल किया गया। बाद में सलमान खान (Salman Khan) ने कटरीना का सपोर्ट करते हुए ट्रोल्स को लताड़ लगाई थी। अब कटरीना के सपोर्ट में एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा (Parineeti Chopra) भी आगे आई हैं। परिणीति चोपड़ा ने IANS के साथ बातचीत में ट्रोलिंग से डील करने को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि वह ज्यादा सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करती हैं। उन्होंने कहा, ₹मैं इनसे डील नहीं करती क्योंकि मैं उन्हें देखती ही नहीं हूं। अगर मेरे साथ ऐसा कुछ होता भी है, तो ज्यादातर मुझे पता ही नहीं चलता क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा समय नहीं बिताती और अगर मुझे पता चल भी जाए, तो भी मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।₹

परिणीति चोपड़ा ने आगे कहा, ₹मैं अपनी जिंदगी को लेकर बहुत ईमानदार हूं। मैं अपने समय, अपने परिवार, अपने दोस्तों और अपनी जिंदगी के प्रति सच्ची हूं। अनजान लोगों की बातों से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

600 किमी तक गई 2 मिसाइलें, किम जोंग बोले- दुश्मनों को 'लाइलाज सिरदर्द' मिलेगा

नॉर्थ कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का टेस्ट किया

परीक्षण

प्योंगयांग, एजेंसी

नॉर्थ कोरिया ने रविवार को एक नए हथियार सिस्टम का टेस्ट किया। सरकारी एजेंसी KCNA की तस्वीरों के मुताबिक, इसमें हाइपर-सोनिक मिसाइल ह्वासोंग-11Ma का परीक्षण किया गया।

नॉर्थ कोरियाई नेता किम जोंग उन अपनी बेटी के साथ टेस्ट देखने पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस हथियार का विकास देश की युद्ध तैयारियों को मजबूत करेगा और दुश्मनों के लिए 'लाइलाज सिरदर्द' पैदा करेगा।

दक्षिण कोरिया की सेना के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया ने पूर्वी तट के वॉनसान इलाके से करीब 3 घंटे के अंतर पर दो कम दूरी की मिसाइलें दागीं। ये समुद्र में करीब 450 और 600 किमी तक गईं। जापान की सेना ने कहा कि दोनों मिसाइलें उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) के बाहर समुद्र में गिरीं।

नॉर्थ कोरिया के नेता किम जोंग उन अपनी बेटी के साथ स्क्रीन पर मिसाइल टेस्ट की जानकारी देखते नजर आए।

दावा: नॉर्थ कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल की स्पीड 2,146 मीटर/सेकंड और उड़ान दूरी 908.2 किमी बताई।

> हाइपरसोनिक मिसाइलें आवाज की गति से 5 गुना से ज्यादा, यानी करीब 6,000 किमी/घंटे या उससे ज्यादा की रफ्तार से उड़ सकती हैं। इनकी खासियत सिर्फ तेज रफ्तार नहीं, बल्कि उड़ान के दौरान दिशा बदलने की क्षमता भी है।
>
> तेज रफ्तार और बदलते रास्ते की वजह से इन्हें रडार से ट्रैक करना और मिसाइल डिफेंस सिस्टम से रोकना मुश्किल हो सकता है।
>
> हालांकि, नॉर्थ कोरिया के हाइपरसोनिक मिसाइलों के दावों पर विशेषज्ञ सवाल उठाते रहे हैं।

तस्वीरों में दिखी ह्वासोंग-11एमए मिसाइल

KCNA ने मिसाइल टेस्ट की तस्वीरें जारी कीं। इनमें ट्रकों से दो मिसाइलें लॉन्च होती दिखीं। मिसाइलों के आगे शंकु जैसी आकृति और पंखनुमा हिस्से नजर आए।

एक तस्वीर में किम जोंग उन निगरानी स्क्रीन देखते नजर आए। स्क्रीन पर ह्वासोंग-11Ma नाम लिखा था।

नॉर्थ कोरिया पहले इस मिसाइल को हाइपरसोनिक हथियार बता चुका है। हालांकि, किम ने इस टेस्ट के दौरान नए हथियार सिस्टम का नाम नहीं बताया।

संदेह की वजह: साउथ कोरिया ने एक मिसाइल की दूरी सिर्फ 450 और दूसरी मिसाइल की दूरी 600 किमी से कुछ ज्यादा मापी, जो 908 किमी के दावे से काफी अलग है।

नॉर्थ कोरिया मिसाइल और परमाणु हथियारों का जखीरा लगातार बढ़ा रहा है। SIPRI के 2026 के अनुमान के मुताबिक, उसके पास करीब 60 परमाणु हथियार हैं और इतना फिसाइल मैटेरियल है कि करीब 30 और हथियार बनाए जा सकते हैं।

मिसाइलों में कम दूरी के हथियारों से लेकर अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) तक शामिल हैं। ह्वासोंग-17 और ह्वासोंग-18 की रेंज 15 हजार किमी से ज्यादा बताई जाती है, यानी ये अमेरिका तक पहुंचने की क्षमता वाली मिसाइलों में शामिल हैं।

वहीं KN-23 और KN-25 जैसी कम दूरी की मिसाइलें दक्षिण कोरिया और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों के लिए खतरा मानी जाती हैं। मिसाइलों के अलावा प्योंगयांग नए युद्धपोत और दूसरे सैन्य सिस्टम भी विकसित कर रहा है।

फास्ट न्यूज

टेक्सस में हनुमान प्रतिमा पर यूट्यूबर की धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के दौरान भारतीय-अमेरिकी समुदाय राजनीतिक बहस का मुख्य केंद्र बन गए हैं, खासकर हिंदू और उनकी आस्था पर विवादित बयान दिए जा रहे है। यह विवाद तब और गहरा गया जब एक रूढ़िवादी यूट्यूबर ने टेक्सस में भगवान हनुमान की 90 फुट ऊंची मूर्ति को हटाने की बात कही, जिसके बाद उसे कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

इस्लामाबाद में मास कैजुअल्टी का अलर्ट

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद के अस्पतालों को कथित तौर पर एक संभावित मानवीय संकट और बड़े पैमाने पर हताहतों वाली घटना के लिए तैयार रहने का आदेश दिया गया है। यह आदेश जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ द्वारा 27 सितंबर को नियोजित विरोध प्रदर्शन से पहले दिया गया है। 'ड्रॉप साइट' द्वारा देखे गए दस्तावेजों के अनुसार, इस्लामाबाद के अस्पतालों को दिए गए निर्देशों में कहा गया है कि सभी निर्धारित सर्जरी को अनिश्चित काल के लिए टाल दिया जाए और सर्जिकल विभागों को मरीजों की संभावित बढ़ती संख्या के लिए तैयार रखा जाए।

हाईस्कूल में दिनदहाड़े गोलीबारी में 11 छात्र घायल

अंकारा। तुर्किए के पश्चिमी प्रांत मनिसा में एक छात्र ने अपने हाईस्कूल के सामने गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 11 छात्र घायल हो गए। तुर्की के न्याय मंत्री अकिन गुरलेक ने मामले की जानकारी दी। गुरलेक ने बताया कि कहा कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है। मंत्री गुरलेक ने आगे बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है और उसके माता-पिता और दादा जिनके पास हमले में इस्तेमाल किया हथियार था, उनको हिरासत में ले लिया गया है।

स्मार्टफोन स्क्रीनगार्ड के लिए बीआईएस रजिस्ट्रेशन जरूरी होगा

घटिया क्वालिटी वाले गार्ड नहीं बिक सकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने स्मार्टफोन स्क्रीन गार्ड्स के लिए BIS रजिस्ट्रेशन जरूरी कर दिया है। इस नए फैसले का सीधा असर बाजार में बिकने वाले खराब क्वालिटी के स्क्रीन गार्ड्स पर पड़ेगा।

अब कंपनियों को BIS के टेस्ट में पास होने के बाद ही इन्हें बेचने की इजाजत मिलेगी। केंद्र सरकार ने स्मार्टफोन यूजर्स की सेफ्टी और स्क्रीन गार्ड्स की क्वालिटी बेहतर करने के लिए यह कदम उठाया है।

मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, स्मार्टफोन स्क्रीन गार्ड्स के लिए तय किए गए नए BIS मानक 1 अप्रैल, 2027 से देशभर में लागू कर दिए जाएंगे। इसका मतलब है कि 2027 के बाद बिना BIS रजिस्ट्रेशन और बिना तय मानकों वाले स्क्रीन गार्ड्स की बिक्री पर रोक रहेगी।

ग्राहकों को फायदा: बाजार में मिलने वाले सस्ते, डुप्लीकेट और जल्दी टूटने वाले स्क्रीन गार्ड्स से छुटकारा मिलेगा। तय क्वालिटी स्टैंडर्ड होने के कारण डिस्प्ले सुरक्षित रहेगा।

कंपनियों के लिए शर्त: कंपनियों को अपने प्रोडक्ट्स का BIS लैब में टेस्ट कराना होगा।

हवा में लड़ाकू विमानों में ईंधन भरेगा, जंग से 1.2 लाख यमन के लोग बेघर

हूतियों के खिलाफ सऊदी की मदद करेगा ब्रिटेन

लंदन/रियाद, एजेंसी

यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच लड़ाई तेज हो गई है। इस बीच ब्रिटेन ने सऊदी को मदद देने का फैसला किया है।

सोमवार को न्यूयॉर्क जाते समय पत्रकारों से बात करते हुए ब्रिटिश पीएम एंडी बर्नहैम ने कहा ब्रिटेन एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग के लिए टैंकर देगा। यानी हवा में उड़ते सऊदी लड़ाकू विमानों में ईंधन भरा जा सकेगा।

इधर लड़ाई का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। UN के मुताबिक, लड़ाई बढ़ने से अब तक 1.2 लाख से ज्यादा यमन के लोग बेघर हो चुके हैं। पिछले कुछ दिनों में 3,000 से ज्यादा यमनी शरणार्थी लाल सागर पार कर जिबूती पहुंचे हैं।

सऊदी अरब को दी जा रही यह मदद कुछ हफ्तों के लिए होगी। ब्रिटेन इस साल पहले ही सऊदी अरब में स्काई सेबर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर चुका है। यह सिस्टम दुश्मन के ड्रोन और मिसाइल जैसे हवाई हमलों से बचाव के लिए इस्तेमाल होता है। हूतियों की इस बढ़त के बाद सऊदी अरब ने तटीय इलाकों में सैकड़ों हवाई हमले किए हैं। दूसरी तरफ हूतियों ने सऊदी अरब के शहरों और बुनियादी ढांचे पर सैकड़ों ड्रोन और मिसाइल हमलों का दावा किया है।

ब्रिटेन वॉयजर टैंकर विमान भेज सकता है

ब्रिटेन सऊदी अरब की मदद के लिए एक ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स (RAF) का वॉयजर टैंकर विमान भेज सकता है। यह विमान साइप्रस में मौजूद RAF अक्रोटिरी एयरबेस से काम करेगा।

वॉयजर विमान का काम हवा में उड़ रहे लड़ाकू विमानों में ईंधन भरना है। इससे लड़ाकू विमान बिना नीचे उतरे ज्यादा देर तक उड़ सकते हैं। ब्रिटेन की वायुसेना के पास ऐसे 9 वॉयजर विमान हैं। इनमें 8 सैन्य इस्तेमाल के लिए हैं और एक विमान सामान्य यानी सिविलियन रजिस्ट्रेशन वाला है। जरूरत पड़ने पर उसे भी सैन्य काम में लगाया जा सकता है।

> यमन के हूतियों ने इस महीने लाल सागर के तट की ओर तेजी से बढ़ते हुए बाब-अल-मंदब स्ट्रेट के पास के इलाकों पर कब्जा किया है।
>
> यह स्ट्रेट लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। इसलिए इस इलाके में लड़ाई का असर समुद्री रास्तों पर भी पड़ सकता है।

एक और मंत्री पर फायरिंग, 27 सितंबर को इस्लामाबाद में मार्च निकालने वाली है पार्टी

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा में पीटीआई के मंत्री को किडनैप किया

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा में PTI के प्रांतीय मंत्री फजल शकूर खान को कथित तौर पर किडनैप कर लिया गया। वहीं, मलाकंद में पार्टी के एक और मंत्री शकील अहमद पर फायरिंग हुई।

ये दोनों घटनाएं ऐसे समय हुई हैं, जब इमरान खान की पार्टी PTI उनकी रिहाई की मांग को लेकर 27 सितंबर को इस्लामाबाद में मार्च निकालने की तैयारी कर रही है।

PTI का आरोप है कि सरकार उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई कर मार्च को रोकने की कोशिश कर रही है। पार्टी ने कहा है कि इन घटनाओं के बावजूद मार्च नहीं रोका जाएगा। PTI के मुताबिक, फजल शकूर खान की गाड़ी को पेशावर मोटरवे टोल प्लाजा के पास हथियारबंद और नकाबपोश लोगों ने रोक लिया। उनके पास AK-47 राइफलें थीं। सोशल मीडिया पर सामने आए कथित वीडियो में नकाबपोश लोग हाईवे पर गाड़ियां रोकते और मंत्री की गाड़ी को घेरते नजर आ रहे हैं। दावा है कि हमलावरों ने गाड़ी के एक टायर पर गोली चलाई। इसके बाद नकाबपोशों ने फजल शकूर खान को हथियार के दम पर गाड़ी की आगे वाली सीट से बाहर निकाला और अपने साथ ले गए। 73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए। बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं।

तस्वीर इमरान खान की बहन अलीमा खान की है।

दो दिन पहले इमरान की बहन को गिरफ्तार किया

इमरान खान की बहन अलीमा को रविवार को लाहौर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह इमरान की रिहाई की मांग को लेकर 27 सितंबर को होने वाले PTI के प्रदर्शन में शामिल होने वाली थीं। इससे पहले शनिवार को अडियाला जेल में इमरान खान का मेडिकल चेकअप किया गया था। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि PIMS के डॉक्टर की अगुआई में उनकी जांच हुई। इसमें ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और आंखों की जांच की गई।

18 अगस्त को पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल भेजने का आदेश दिया था। हालांकि, उन्हें पाकिस्तान के बड़े सरकारी मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें वापस अडियाला जेल भेज दिया गया था।

आईफोन 18प्रो दुबई में भारत से 33,000 सस्ता

फ्लाइट और वीजा खर्च के बाद भी पैसे बच जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

आईफोन 18 प्रो और प्रो मैक्स को खरीदने का क्रेज कितना है, इसका अंदाजा तो आपने भारत में एपल स्टोर पर लाइन में लगे लोगों को देखकर लगा सकते हैं। यही नहीं, इस बार एपल फैंस के लिए यह शॉपिंग ट्रिप इंटरनेशनल बन गई है।

लोग आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स खरीदने के लिए दुबई जा रहे हैं, क्योंकि भारत और UAE की कीमतों में बड़ा अंतर है। खरीदारों का कहना है कि फ्लाइट टिकट और वीजा का खर्च जोड़ने के बाद भी दुबई से आईफोन खरीदना सस्ता पड़ रहा है।

18 सितंबर को जब दुबई मॉल के एपल स्टोर पर नए आईफोन की बिक्री शुरू हुई, तब भारतीय खरीदारों ने यही कैलकुलेशन लगाया। मुंबई के अमन सोलंकी ने गल्फ न्यूज को बताया कि कीमतों का यह अंतर दुबई ट्रिप को सही ठहराता है। सोलंकी ने कहा कि फ्लाइट टिकट और वीजा के खर्च के बाद भी यह सस्ता पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि एक से ज्यादा फोन खरीदने पर 50,000 से 60,000 तक का अंतर आ जाता है। केरला के मोहम्मद सैयद ने परिवार से मिलने दुबई जाने के दौरान भारत और UAE की कीमतों की तुलना की। उन्होंने आईफोन 18 प्रो मैक्स खरीदने का फैसला किया और कहा, 'मुझे नए आईफोन पर करीब 20,000 से 30,000 की बचत हो रही है, क्योंकि भारत में टैक्स के कारण कीमतें काफी ज्यादा हैं।'

चेतावनी: कहा- जो कंपनियां इनकी मदद करेंगी, उनके खिलाफ एक्शन लेंगे

अमेरिका की ईरानी एयरलाइंस बंद कराने की धमकी

न्यूयॉर्क/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान की सभी एयर-लाइंस को बंद कराने की धमकी दी है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि 23 सितंबर से ईरानी विमानों को ईंधन, लैंडिंग की सुविधा या टिकट देने वाली विदेशी कंपनियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

ऐसी कंपनियों को अमेरिकी डॉलर सिस्टम से बाहर किया जा सकता है। यानी अमेरिका सिर्फ ईरानी एयरलाइंस पर दबाव नहीं डाल रहा, बल्कि उन विदेशी कंपनियों को भी निशाना बना रहा है जो इन एयरलाइंस को चलाने में मदद करती हैं।

अमेरिका जिस डॉलर सिस्टम की बात कर रहा है, उसका मतलब अमेरिकी बैंकिंग व्यवस्था से है। किसी कंपनी पर अमेरिकी प्रतिबंध लगने के बाद उसके लिए अमेरिकी बैंकों के जरिए डॉलर में लेन-देन करना मुश्किल हो सकता है।

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने UN महासचिव एंतोनियो गुटेरेस से फोन पर बात की है।

विदेश जाने वाली उड़ानों पर पड़ सकता है असर

अमेरिकी कार्रवाई का असर ईरान की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ सकता है। एविएशन डेटा कंपनी सिरियम के मुताबिक, सितंबर में ईरान से हर हफ्ते करीब 70 हजार इंटरनेशनल सीटें उपलब्ध हैं। अगस्त में यह संख्या करीब 55,700 सीटें प्रति हफ्ते थी। अगस्त में महान एयर और सेफेहरान एयरलाइंस ईरान से इंटरनेशनल सीटों की क्षमता के मामले में सबसे बड़े स्थानीय ऑपरेटरों में थीं। महान एयर के पास हर हफ्ते करीब 15,600 और सेफेहरान एयरलाइंस के पास करीब 10,500 सीटें थीं।

यमन के सना एयरपोर्ट पर उतरता महान एयर का विमान। तस्वीर मार्च 2015 की है।

8 सितंबर को 27 ईरानी एयरलाइंस पर प्रतिबंध लगाया था

अमेरिका पहले भी ईरान की एयरलाइंस के खिलाफ कार्रवाई कर चुका है। अमेरिकी ट्रेजरी ने 8 सितंबर को 27 ईरानी एयरलाइंस समेत कुल 36 कंपनियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया था।अमेरिका का आरोप है कि ईरान अपनी एयरलाइंस और उनसे जुड़े नेटवर्क का इस्तेमाल हथियार, लोगों और दूसरे प्रतिबंधित सामान को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए करता है।

'एआई से दुनिया खत्म होने का खतरा नहीं'

एनवीडिया सीईओ बोले- 2030 तक सब ठीक रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

AI से 2030 तक मानव सभ्यता खत्म होने की चेतावनियों को चिप कंपनी एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग ने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसकी 0% संभावना है। हुआंग ने इन दावों को 'डूम्सडे नैरेटिव' करार दिया और लोगों से अपील की है कि वे इस तरह के डर या पैनिक में न आएं।

कुछ दिन पहले एंथ्रोपिक और गूगल डीपमाइंड में काम करने वाले दो रिसर्चर्स ने कहा था कि जिस तेजी से एआई डेवलप हो रहा है उससे मानव सभ्यता खत्म हो सकती है। ओपन एआई, XAI और एंथ्रोपिक के मालिक सैम ऑल्टमैन, इलॉन मस्क और डारियो अमोदेई ने भी इसका समर्थन किया था।

हुआंग ने कहा कि इस तरह की चेतावनियां और भविष्यवाणियां 'विज्ञान पर आधारित नहीं हैं'। उन्होंने कहा कि एनवीडिया का लक्ष्य उद्योग में जिम्मेदारी से प्रोडक्ट्स बनाना और लोगों को AI के प्रति जागरूक करना है, न कि समाज में बेवजह का डर फैलाना।

हुआंग ने कहा कि इस तबाही वाले नैरेटिव की आड़ में कुछ लोग मौजूदा कानूनों से छूट पाना चाहते हैं। अगर आप बयानों के पीछे का मतलब समझें, तो वे नए सख्त नियम नहीं मांग रहे, बल्कि उन कानूनों से राहत मांग रहे हैं जो पहले से लागू हैं। यह एक समस्या है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676